www.lagatar.in * * रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित रांची, बुधवार 05 जून 2024 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 13 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 57 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

एक राज्य - एक अखबार

शुभम संदेश

जानादेश 2024

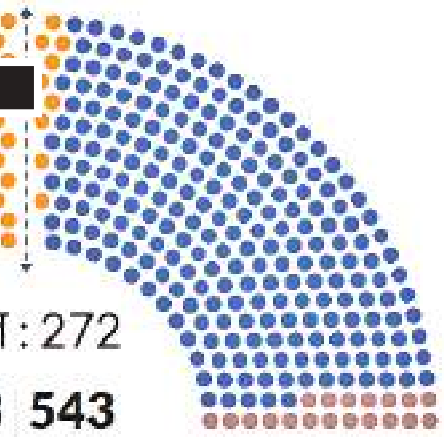

एनडीए		इंडिया		अन्य
291	-52 (2019 में 353 सीटें)	234	+107 (2019 में 92 सीटें)	18

अकेले भाजपा 239

अकेले कांग्रेस 100

सपा ने यूपी और टीएमसी ने बंगाल में भाजपा का विजय रथ रोक दिया है. फिर भी लोकसभा चुनाव के नतीजों के मुताबिक भाजपा (239) सबसे बड़ी पार्टी के रुप में उभरी, लेकिन वह अकेले दम पर बहुमत से दूर है. लिहाजा, सरकार बनाने के लिए उसे एनडीए के साथियों पर निर्भर रहना पड़ेगा, विपक्षी गठबंधन इंडिया मजबूत ताकत के रुप में उभरा है. नतीजों को देखें तो सत्तारुढ़ गठबंधन उम्मीद के अनुरुप प्रदर्शन नहीं कर पाया. एग्जिट पोल के अनुमान भी गलत साबित हुए. एनडीए को 291 सीटें मिली हैं. वहीं इंडिया 234 सीटें जीता है. इसमें कांग्रेस ने 100, सपा ने 38, टीएमसी ने 29, द्रमुक ने 22 सीटें जीती हैं. राजद का बिहार में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा. हालांकि उसके खाते में चार सीटें आई हैं. झारखंड में भी इंडिया का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा.

गठबंधन सरकार

नीतीश-नायडू किंगमेकर

लगातार न्यूज नेटवर्क

चुनावी नतीजे आने के बाद बिहार के सीएम और जदयू सुप्रीमो नीतीश कुमार और टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू किंगमेकर बन कर उभरे हैं. ये दोनों नेता जिधर जाएंगे, सरकार उसी की बनेरगी. दोनों नेता अभी एनडीए के साथ हैं. लेकिन पुराने अनुभव बताते हैं कि नीतीश और चंद्रबाबू अपने राज्य के लिए किसी भी पक्ष के साथ खड़े हो सकते हैं. फिलहाल दोनों के दोनों हाथ में लड्डू है. एक-दो दिन में स्थिति स्पष्ट होगी कि नीतीश और चंद्रबाबू किसकी सरकार बनवाते हैं.

बता दें कि मोदी ने 400 पार का नारा दिया था, लेकिन मंगलवार को जब ईवीएम खुला, तो भाजपा 240 सीटों से नीचे ही फिसलती दिखी. ऐसे में भाजपा अकेले दम पर सरकार नहीं बना सकेगी और उसे 272 के जादुई आंकड़े के लिए साथियों की जरूरत होगी. इस हालत में भाजपा के लिए नीतीश और चंद्रबाबू नायडू सहारा बनते दिख रहे हैं. जदयू ने बिहार में 12 हासिल की हैं. टीडीपी ने 16 सीटें जीती हैं. आंध्र विधानसभा में भी नायडू की सरकार बन रही है. इस तरह नायडू की लॉटरी लग गई है. वह राज्य के सीएम होंगे, तो वहीं केंद्र में जो सरकार बनेगी, उनका बड़ा दखल होगा. पहले भी नीतीश और चंद्रबाबू किंगमेकर रहे हैं और अटल के दौर में सरकार का हिस्सा थे. इस तरह नायडू और नीतीश के लिए एक बार फिर पुराना दौर लौट आया है. यदि टीडीपी की 16 और जेडीयू की 12 सीटें भाजपा को मिलती हैं, तो 239 सीटों वाली भाजपा 275 के दावे के साथ सरकार बना सकेगी. इसके अलावा एकनाथ शिंदे की शिवसेना 6 सीटें जीती है, तो 280 पार का आंकड़ा आसानी से सरकार बनवा देगा. चंद्रबाबू तो भाजपा के साथ 2014 और 2019 में भी थे, लेकिन फिर कांग्रेस के साथ चले गए थे. इसी साल मार्च में वह एनडीए में वापस लौट आए. यही नहीं नीतीश भी इंडिया अलायंस के नेता थे, लेकिन चुनाव से ठीक पहले ही वह भाजपा के साथ आ गए. भाजपा के लिए यह अच्छा ही रहा कि चुनाव से ठीक पहले ही चंद्रबाबू और नीतीश उसके साथ आ गए थे. अब उसके लिए इन्हें मैनेज करना उतना कठिन नहीं होगा और आसानी से सरकार का गठन कर पाएगी.

एनडीए में ही पवन कल्याण भी हैं, जिनकी पार्टी दो सीटें जीती है. चिराग पासवान की लोजपा आर ने भी 5 सीटों पर जीत दर्ज की है. यदि इस पूरे आंकड़े को मिला दें तो एनडीए के खाते में 290 सीटें पहुंच सकती हैं. इस तरह एनडीए सरकार को पूरे कार्यकाल में नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के ही भरोसे रहना होगा. दोनों नेता किंगमेकर बन कर उभरे हैं.

यह लोकतंत्र और संविधान में भरोसे की जीत है. एनडीए की तीसरी बार सरकार बननी तय है, भाजपा और एनडीए में पूर्ण विश्वास के लिए लोगों का आभार व्यक्त करता हूं. हर भारतीय को हमारी चुनाव प्रणाली और उसकी विश्वसनीयता पर गर्व है. 10 साल पहले आपने बदलाव के लिए मुझ पर भरोसा करके देश की बागडोर सौंपी थी. दूसरा कार्यकाल देश के विकास के नाम रहा. अब तीसरा कार्यकाल देश को बहुत आगे ले जाने के लिए मिला है.

-नरेंद्र मोदी, प्रधानंत्री

कांग्रेस ने देश को दिखाया रास्ता

जब कांग्रेस का खाता बंद हुआ, तो मुझे लगा कि जनता अपने संविधान के लिए लड़ेगी. ये सच साबित हुआ. कांग्रेस ने देश को साफ तौर पर रास्ता दिखाया है. यह चुनाव इंडिया गठबंधन और कांग्रेस पार्टी ने किसी राजनीतिक पार्टी के खिलाफ नहीं लड़ा, यह चुनाव हमने संविधान को बचाने के लिए लड़ा. उन्होंने कहा कि देश ने साफ कह दिया है कि हम मोदी और शाह को नहीं चाहते. हम वादे पूरे करेंगे. जहां तक सरकार बनाने की बात है, तो इस पर बुधवार को घटक दलों के साथ बैठक करके तय करेंगे कि हमें सरकार बनानी है या विपक्ष में बैठना है.

- राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

एनडीए

पार्टी	सीटें
भाजपा	239
टीडीपी	16
जदयू	12
शिवसेना	06
लोजपा (आर)	05
जेडीएस	02
आरएलडी	02
जेएसपी	02
हम	01
एजीपी	01
एजीएसयूपी	01
एडीएएल	01
एनसीपी	01

इंडिया

पार्टी	सीटें
कांग्रेस	100
सपा	34
टीएमसी	29
डीएमके	22
शिवसेना (यूबीटी)	10
एनसीपी (एस)	07
माकपा	04
राजद	04
आईयूएमएल	03
झामुमो	03
आप	03
भाकपा	02
भाकपा माले	02

कौन-कौन मंत्री हारे

- स्मृति ईरानी (अमेठी)
- अर्जुन मुंडा (खूंटी)
- महेंद्र नाथ पांडेय (चंदौली)
- अजय मिश्र टेनी (खीरी)
- राजकुमार सिंह (आरा)
- राजीव चंद्रशेखर (तिरुअनंतपुरम)
- कैलाश चौधरी (बाड़मेर)

जनता ने बता दिया, उसे क्या चाहिए

सुरजीत सिंह

त्वरित टिप्पणी

गोशिक्षा- सबको चाहिए. वाट्सएप यूनिवर्सिटी- नहीं चाहिए. रोजगार- सबसे जरूरी है. नौकरी- जरूरी है. सरकारी नौकरी- बहुत जरूरी. पेपर लीक- मुक्ति चाहिए. मजदूरी- ज्यादा मिले. अग्निवीर- चार साल की नौकरी नहीं चाहिए. वेतन- बढ़ने चाहिए. बेरोजगारी- जिंदगी खराब कर दी. गरीबी- बढ़ी है. भुखमरी- हर तरफ है. महंगाई- मुक्ति चाहिए. महंगा भोजन- सस्ता करो. महंगा अनाज- पांच किलो से काम नहीं चलता. महंगा पेट्रोल- नहीं चलेगा. महंगी गैस- सस्ती हो. एमएसपी- कानून बने. स्वास्थ्य- गारंटी मिले. झूठी खबरें- अच्छी नहीं लगतीं. झूठी बातें- इरिटेट करती हैं. लोकतंत्र- तानाशाही नहीं चलेगी. राष्ट्रवाद- प्लेग (महामारी) है. गंगा- मैली ही रह गई. गांधी- इतना झूठ मत बोलो. नेहरू- हर समस्या की जड़ नहीं. राहुल गांधी- पप्पू नहीं हैं. देश की हालत- 10 साल में खराब हुई. विदेशों में- डंका नहीं बज रहा, छवि खराब हो रही. देश- एक व्यक्ति या एक दल का नहीं. नरेंद्र मोदी- बायोलॉजिकल हैं, ईश्वर के अवतार नहीं.

चुनाव परिणाम आने के बाद लोगों ने बता दिया है कि वो क्या चाहते हैं. देश की जनता को यही सब पसंद है. देश की जनता ने यह बता दिया है कि जिन बातों पर भाजपा व उनके समर्थक गर्व कर रहे हैं, वह गर्व करने के लायक नहीं है, बल्कि शर्म करने के लायक है. देश के 60 प्रतिशत लोगों को भोजन उपलब्ध कराने पर, बच्चों को रोजगार ना मिलने पर, भोजन, कपड़ा, मकान, सफर आम लोगों से दूर होने पर, बड़ी यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले छात्रों को सामान्य जानकारी ना होने पर, झूठ पर, वाट्सएप यूनिवर्सिटी पर, खुद को बायोलॉजिकल ना होना बताने पर हमें गर्व नहीं होता, शर्म महसूस होती है. और इस शर्म और हालात ने हमारी जिंदगी को नर्क बना दिया है. हम इससे बाहर निकलना चाहते हैं. भाजपा को स्पष्ट बहुत ना मिलना संकेत है कि विकल्प उससे कमजोर है. लेकिन नहीं सुधरे तो कमजोर विकल्प भी मंजूर होगा. इस चुनाव के रिजल्ट ने कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन की तमाम पार्टियों के लिए भी एक संदेश है. करप्शन व परिवारवाद से दूर रहो. संगठन को मजबूत बनाओ और आम लोगों के मुद्दों से जुड़ो. नए राज्यों में भाजपा को बढ़त मिलना, इसके सांसदों के लिए संदेश है कि क्षेत्र में काम करो, अकड़पन ठीक नहीं, हर मामले में आक्रामकता लोगों को आपसे दूर ही करती है.

मोदी के कारण भाजपा बहुमत से दूर

- अबकी बार 400 बार.
- इंडी गठबंधन वाले मेरा मुंह ना खुलवाएं, सात पीढ़ियों के पाप निकाल कर रख दूंगा.
- महात्मा गांधी को फिल्म बनने के पहले कोई नहीं जानता था, फिल्म बनने के बाद दुनिया ने जाना.
- उनको वोट बैंक की गुलामी करनी है तो करें, मुजरा करना है तो करें.
- बिजली कनेक्शन छीन लेंगे, आपके घर में अंधेरा कर देंगे.
- पानी के नल की टोंटी खोल लेंगे, बैंक से पैसा छीन लेंगे.
- दो भैंस है तो एक भैंस छीन लेंगे, मंगलसूत्र छीन लेंगे.
- जिनके ज्यादा बच्चे हैं, उनको बांट देंगे.
- सपा सरकार में आयी तो राम मंदिर पर बुल्डोजर चलवा देंगे.
- कांग्रेस के मेनिफेस्टो में मुस्लिम लीग की छाप.
- मटन-मछली बनाकर-खाकर हिंदुओं को चिढ़ाते हैं.
- रविवार की छुट्टी 200-300 साल से ईसाई समाज से जुड़ी है, हिंदुओं से जुड़ी नहीं है.
- मां के जाने के बाद मैं कन्विंस हो गया हूं कि मैं बायोलॉजिक नहीं हूं. ईश्वर ने मुझे भेजा है.
- मैं जिस दिन हिन्दू-मुस्लिम करूंगा, उस दिन सार्वजनिक जीवन का अंत होगा.

चुनाव परिणाम ने यह जता दिया है कि मोदी के कारण भाजपा बहुमत से दूर रह गई. खुद नरेंद्र मोदी की जीत का मॉर्जिन बहुत कम हो गया. वैसे उनके समर्थक हमेशा की तरह कह सकते हैं कि मोदी हैं, तभी इतनी सीटें आ गयीं. कोई और होता तो हालात ज्यादा खराब होते. पर, सच अलग है. चुनाव के दौरान यह साफ दिख रहा था कि नरेंद्र मोदी लगातार गलतबयानी कर रहे हैं. रैली में, इंटरव्यू में टीवी पर, इंटरव्यू में अखबारों में, हर जगह. ऐसा करने से उन्हें टोकने वाला कोई नहीं है. ना आयोग, ना पार्टी, ना मीडिया और ना विपक्ष. वह हर बात, हर समस्या को हिन्दू-मुस्लिम पर लाने की कोशिश करते रहें. यही बात भाजपा के लिए नुकसानदेह साबित हुआ. रही-सही कसर टीवी चैनलों व अखबारों ने पूरी कर दी, जो मोदी के साथ भाजपा के समर्थन में तन-मन-धन के साथ पिछले दस सालों से खड़े थे, चुनाव में भी खड़े दिखे. टीवी चैनलों ने मोदी की हर सभा का लाइव प्रसारण किया और अखबारों ने पहले पन्ने पर प्रकाशित किया. विपक्ष के नेताओं की सभाओं, रैलियों को ना तो टीवी पर प्रसारित किया गया ना ही बड़े अखबारों ने पहने पन्ने पर जगह देने में बड़प्पन दिखाया. मतदाताओं में एक तरह से ऊब पैदा होने लगी थी. जिसका असर भाजपा को मिलने वाले वोटों पर पड़ा. धर्म के नाम पर वोट मांगने पर चुनाव आयोग ने कोई कार्रवाई नही की. वोट से ठीक एक-दो दिन पहले केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई होने लगी. इन सब वजहों से आम लोगों के बीच यही मैसेज गया कि मोदी राज में हर संवैधानिक संस्थान "पिंजरे का तोता" बन गया है. चुनाव आयोग व मीडिया सत्ता के पिछलग्गू बन गए हैं. लोकतंत्र के लिए यह ठीक नहीं है. भाजपा का इस बार के लिए 400 पार का नारा और उसके कुछ प्रत्याशियों द्वारा संविधान बदलने के लिए इसे जरूरी बताने का असर भी आम लोगों पर पड़ा.

राज्यों की रेस	एनडीए	इंडिया
उत्तर प्रदेश (80)	38	42
महाराष्ट्र (48)	18	30
पश्चिम बंगाल (42)	10	32
बिहार (40)	30	10
मध्य प्रदेश (29)	29	00
तमिलनाडु (39)	00	38
राजस्थान (25)	14	11
कर्नाटक (28)	16	12
दिल्ली (7)	07	00
आंध्र प्रदेश (25)	23	02
झारखंड (14)	09	05

पेज 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 11, 12 भी देखें

www.lagatar.in

रांची, बुधवार 05 जून 2024 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 13 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 57

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मोदी की हैट्रिक

शुभम संदेश

जानादेश 2024

एक राज्य - एक अखबार

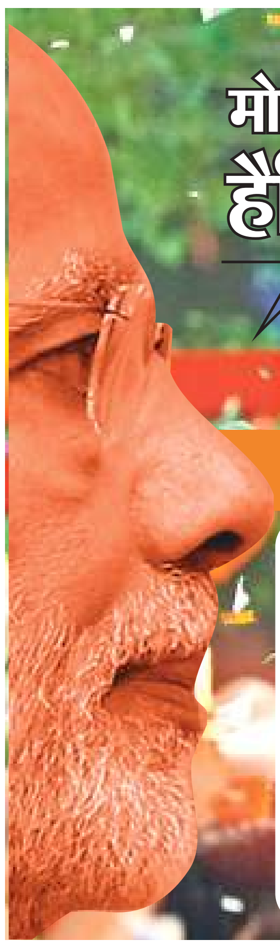

वाराणसी से मोदी 1,52,513 मतों से जीते

रायबरेली से राहुल 3,90,030 मतों से जीते

देश की जनता ने लगातार तीसरी बार एनडीए पर भरोसा जताया है. यह भारत के इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है. मैं इस स्नेह के लिए जनता को नमन करता हूं. मैं अपने सभी कार्यकर्ताओं को उनकी कड़ी मेहनत के लिए भी सलाम करता हूं. मेरे शब्द उनके असाधारण प्रयासों के लिए कम हैं.

–नरेंद्र मोदी, पीएम

भाजपा का सफर

वर्ष	सीटें	वर्ष	सीटें
1984	02	1999	180
1989	89	2004	138
1991	121	2009	116
1996	161	2014	282
1998	182	2019	303

कांग्रेस का सफर

वर्ष	सीटें	वर्ष	सीटें
1984	426	1999	114
1989	195	2004	141
1991	252	2009	206
1996	140	2014	44
1998	141	2019	46

इन राज्यों में भाजपा ने किया क्लीन स्वीप

मध्य प्रदेश–29
दिल्ली–07
उत्तराखंड–05
हिमाचल प्रदेश–04
अरुणाचल प्रदेश–02
त्रिपुरा–02

यहां शानदार प्रदर्शन
गुजरात–25
छत्तीसगढ़–10

कांग्रेस ने देश को एक नया गरीब–हितैषी दृष्टिकोण दिया. आप सबने देश का संविधान बचाने के लिए सबसे बड़ा कदम उठाया है. इसके लिए कांग्रेस व इंडिया गठबंधन के नेताओं–कार्यकर्ताओं का धन्यवाद. ये लड़ाई संविधान को बचाने की थी. आपने संविधान को बचाने का सबसे बड़ा कदम ले लिया है.

– राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

किसी भी राजनीतिक दल को बहुमत नहीं

तीसरी बार भरोसा जताने के लिए जनता को नमन : मोदी

लगातार न्यूज नेटवर्क

नयी दिल्ली। 18वीं लोकसभा चुनाव के परिणाम सामने आने के बाद मंगलवार शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता और एनडीए कार्यकर्ताओं का आभार जताया. उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि देश की जनता ने लगातार तीसरी बार एनडीए पर भरोसा जताया है. यह भारत के इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है. मैं इस स्नेह के लिए जनता जनार्दन को नमन करता हूं और उन्हें विश्वास दिलाता हूं कि हम जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पिछले दशक में किए गए अच्छे कार्यों को जारी रखेंगे. पीएम मोदी ने आगे लिखा कि मैं अपने एनडीए के सभी कार्यकर्ताओं को उनकी कड़ी मेहनत के लिए भी सलाम करता हूं. मेरे ये शब्द उनके असाधारण प्रयासों के बहुत कम हैं.

वहीं, गृह मंत्री अमित शाह ने भी एक्स पर 'पोस्ट' कर जनता को धन्वाद कहा. उन्होंने लिखा कि भाजपा को तीसरी बार मिली यह जीत हमारे कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का प्रतिफल है. इस जीत के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जी और देश के हर भू-भाग में मेहनत करने वाले सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को मैं बधाई देता हूं. आगे लिखा कि भाजपा के लिए उनके कार्यकर्ता ही सबसे बड़ी पूंजी हैं. आप सभी ने जिस परिश्रम से उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक गली-गली, घर-घर जाकर मोदी जी के लिए जनता का आशीर्वाद मांगा है, वह सचमुच सराहनीय है. मैं आप सभी को इस भगीरथ प्रयास के लिए मनपूर्वक शुभकामनाएं देता हूं.

सरकार बनाएंगे या नहीं, आज दे देंगे जवाब : राहुल गांधी

लगातार न्यूज नेटवर्क

नयी दिल्ली। देश भर में करीब-करीब सभी लोकसभा सीटों के चुनाव नतीजे सामने आने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार शाम मीडिया से रूबरू हुए. इस दौरान पार्टी की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और प्रियंका गांधी भी साथ थीं. सबसे पहले राहुल ने कांग्रेस व इंडिया गठबंधन के नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार जताया. उन्होंने कहा कि आप सबने देश का संविधान बचाने के लिए सबसे बड़ा कदम उठाया है.

इस दौरान उनके हाथ में भारत के संविधान की मूल प्रति भी थी. कांग्रेस नेता ने कहा कि जहां तक आप हमारी मदद कर सकते थे, उसी लेवल तक मदद की, इसके लिए जनता और पार्टी के कार्यकर्ताओं का धन्यवाद. कहा, कांग्रेस ने देश को एक नया गरीब-हितैषी दृष्टिकोण दिया. राहुल गांधी ने यह भी कहा कि चुनाव कांग्रेस-इंडिया गठबंधन और भाजपा के बीच नहीं था. ये चुनाव पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा कब्जा की गयी केंद्रीय जांच एजेंसियों और आधी संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ था. ये लड़ाई संविधान को बचाने की थी. उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस पार्टी का बैंक अकाउंट फ्रीज कर दिया गया, मुख्यमंत्री को जेल में डाला गया, तो दिमाग में था कि भारत की जनता एक साथ होकर इन ताकतों के खिलाफ खड़ी हो जाएगी. आपने संविधान को बचाने का सबसे बड़ा कदम ले लिया है. राहुल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने इंडिया गठबंधन के घटक दलों का सम्मान किया, जिसका नतीजा है कि इंडिया गठबंधन ने हिंदुस्तान को एक नया विजन साफ दे दिया है.

दिग्गज

जीते | हारे

सीट : गांधीनगर

अमित शाह – भाजपा (जीते)
सोनल आर पटेल – कांग्रेस (हारे)

सीट : लखनऊ

राजनाथ सिंह – भाजपा (जीते)
रविदास मेहरोत्रा – समाजवादी पार्टी (हारे)

सीट : तिरुवनंतपुरम

अखिलेश यादव – समाजवादी पार्टी (जीते)
सुब्रत पाठक – भाजपा (हारे)

सीट : अमेठी

किशोरी लाल शर्मा – कांग्रेस (जीते)
स्मृति ईरानी – भाजपा (हारे)

सीट : विदिशा

शिवराज सिंह चौहान – भाजपा (जीते)
प्रताप भानु शर्मा – कांग्रेस (हारे)

सीट : कन्नौज

शशि थरूर – कांग्रेस (जीते)
राजीव चंद्रशेखर – भाजपा (हारे)

भाजपा को 38.09%, कांग्रेस को 23.31% वोट

दल	वोट %
भाजपा	38.09%
कांग्रेस	23.31%
सपा	4.47%
टीएमसी	3.58%
बसपा	2.04%
TDP	1.93%
शिवसेना (UBT)	1.43%
CPI(M)	1.81%
AAP	1.28%
DMK	1.27%
RJD	1.27%
BJD	1.19%
अन्य	18.33%

उपचुनाव : कल्पना ने किया गांडेय का किला फतह

गिरिडीह: मंगलवार को गिरिडीह जिले में गांडेय विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए वोटों की गिनती के दौरान आगे बढ़ने पर झामुमो नेता कल्पना सोरेन का उनके पति और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां ने स्वागत किया।

ओडिशा विधानसभा चुनाव

भाजपा ने 77 सीटें जीतीं

एजेंसी। भुवनेश्वर

भारतीय जनता पार्टी ओडिशा में अब तक का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 77 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल की है. निर्वाचन आयोग के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है. निर्वाचन आयोग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, राज्य की कुल 147 विधानसभा सीटों में से बीजू जनता दल (बीजद) 51 सीटें जीत चुकी है, जबकि कांग्रेस ने 14 सीटों पर जीत हासिल की है. चिल्का विधानसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार पृथ्वीराज हेरचंद्रन ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी बीजद उम्मीदवार रघुनाथ साहू को 4,566 मतों से हरा दिया, जबकि बरगढ़ विधानसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार अश्विनी कुमार सारंगी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी बीजद नेता के देवेश आचार्य को 4,772 मतों से शिकस्त दी. झारसुगुड़ा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के टंकधर त्रिपाठी ने निकटतम प्रतिद्वंद्वी बीजद की दिपाली दास को 1,333 मतों के अंतर से हरा दिया. राउरकेला विधानसभा सीट पर बीजद उम्मीदवार शारदा प्रसाद नायक ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के दिलीप कुमार रे को 3,552 मतों के अंतर से हराया.

दलगत स्थिति
- ओडिशा–147
- भाजपा 79
- बीजद–50
- कांग्रेस–14
- अन्य–04

आंध्र प्रदेश चुनाव : नौ जून को चंद्रबाबू नायडू लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ: टीडीपी

टीडीपी ने 134 सीटों पर दर्ज की जीत

एजेंसी। अमरावती

लोकसभा चुनाव के साथ आंध्र प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे भी मंगलवार देर शाम तक सामने आ गये. मतगणना के बाद एन चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी की वापसी तय हो गयी है. आंध्र प्रदेश की 175 विधानसभा सीटों में तेलगु देशम पार्टी को 134 सीटें आई हैं. वहीं, सहयोगी भाजपा के खाते में आठ सीटें आई हैं, जबकि सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस केवल 12 सीटों पर ही जीत दर्ज कर पायी. इधर, चुनाव परिणाम सामने आने के बाद टीडीपी घोषणा की है कि पार्टी प्रमुख के चंद्रबाबू नायडू नौ जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे. इससे पूर्व दोपहर बाद ही रूझान में स्पष्ट बहुमत आने के बाद टीडीपी के पार्टी मुख्यालय में जश्न का दौर शुरू हो गया था. बता दें कि राज्य में 13 मई को लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा चुनाव भी हुए थे. एक और कार्यकाल की तलाश में वाईएसआर कांग्रेस ने अकेले सभी 175 सीटों पर चुनाव लड़ा, जबकि टीडीपी ने 144 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे. पवन कल्याण की अगुआई वाली जन सेना पार्टी (जेएसपी) ने 21 सीटों पर और भाजपा ने 10 सीटों पर चुनाव लड़ा था. प्रमुख दावेदारों में निवर्तमान मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी (वाईएसआर कांग्रेस), टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू, जेएसपी के पवन कल्याण शामिल थे. वाईएसआर कांग्रेस प्रमुख ने पुलिवेंडुला विधानसभा सीट से 61,000 से अधिक मतों के अंतर से चुनाव जीता है.

दलगत स्थिति
- आंध्र प्रदेश–175
- टीडीपी–136
- वाईएसआरपी–10
- भाजपा–08
- अन्य–21

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन रेड्डी ने हार मानी : आंध्र प्रदेश के निवर्तमान मुख्यमंत्री वाई एस जगनमोहन रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि बिना किसी भ्रष्टाचार के कई कल्याणकारी कार्यक्रम चलाने के बावजूद विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी वाईएसआर कांग्रेस की हार के कारणों को वह समझ पाने में विफल हैं. जगन ने मीडिया से कहा कि पार्टी यहां से उठकर आगे बढ़ेगी तथा लोगों के भले के लिए उनके साथ जुड़ेगी. उन्होंने कहा कि मैं चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हूं. जो लोग (दल) सरकार बनाने के लिए (सत्ता में) आये हैं, उन सभी को शुभकामनाएं. वाईएसआर कांग्रेस पार्टी बेजुबानों की आवाज के रूप में काम करेगी.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

जनादेश झारखंड

रांची, बुधवार 05 जून 2024 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 13 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 5 ● वर्ष : 2, अंक : 57 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

कुल सीटें 14 भाजपा 08 कांग्रेस 02 झामुमो 03 आजसू 01

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा की बड़ी हार, सीता के साथ समीर भी फ्लॉप | गांडेय विधानसभा उपचुनाव जीत कर कल्पना सोरेन का शानदार आगाज | भाजपा ने तीन सिटिंग सीटें खूंटी दुमका और लोहरदगा गंवाई | नौ सीटों पर एनडीए और पांच सीटों पर इंडिया गठबंधन का कब्जा

झारखंड में एनडीए की घटी 5 सीटें, इंडिया ने दिखाया दम

रवि भारती/ शुभम किशोर। रांची

झारखंड में लोकसभा चुनाव का नतीजा काफी चौंकाने वाला रहा. इस चुनाव में इंडिया गठबंधन के खाते में पांच आदिवासी सीटें आईं. वहीं नौ सीटों पर एनडीए ने कब्जा जमाया है. इस चुनाव में एनडीए को झारखंड में तीन सीटों का नुकसान हुआ है. इंडिया गठबंधन ने राजमहल, दुमका, सिंहभूम, खूंटी और लोहरदगा सीट पर जीत हासिल की है. वहीं एनडीए ने गोड्डा, चतरा, गिरिडीह, कोडरमा, धनबाद, रांची, जमशेदपुर, पलामू और हजारीबाग सीट जीती है. लोकसभा चुनाव के नतीजों का असर अगली पांच महीने में झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव पर भी पड़ेगा. जिस मजबूती से इंडी गठबंधन ने चुनाव लड़ा और उसके सकारात्मक परिणाम उसे मिले, इससे उसका उत्साह चरम पर है. वहीं इसके ठीक उलट भाजपा खेमे में इस परिणाम से निराशा है.

भाजपा को हुआ तीन सीटों का नुकसान

पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने झारखंड से 11 सीटें जीतीं थीं और उसके सहयोगी आजसू पार्टी के पास गिरिडीह की एक सीट थी. कुल मिला कर 12 सीटों में से इस बार आंकड़ा नौ पर ही सिमट गया. भाजपा ने तीन सीटिंग सीटें खूंटी, दुमका और लोहरदगा गंवाने के साथ राज्य की सभी एसटी आरक्षित सीटें गंवा दी हैं. इनमें राजमहल, दुमका, चाईबासा, लोहरदगा और खूंटी शामिल हैं.

केंद्रीय नेतृत्व ने बाबूलाल मरांडी को दिया था फ्री हैंड

भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने बाबूलाल मरांडी को एक तरह से फ्री हैंड दिया था. पार्टी प्रत्याशियों के चयन का मामला हो या फिर संगठन का, सभी में बाबूलाल मरांडी ने अपनी पसंद के नेताओं को तरजीह दी. उन्होंने पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को आश्वस्त किया था कि यदि उन्हें झारखंड में फ्री-हैंड दिया जाए, तो पार्टी के लिए लोकसभा में यहां से बेहतर परिणाम आयेंगे. इसी कड़ी में पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास को ओडिशा का राज्यपाल बना कर भेज दिया गया.

गांडेय उपचुनाव में भी भाजपा हारी

लोकसभा चुनाव के साथ गांडेय विधानसभा के लिए हुए उपचुनाव में भी झामुमो प्रत्याशी कल्पनी सोरेन विजयी हुई हैं. इस सीट पर पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने जीत हासिल की. कल्पना ने भाजपा उम्मीदवार दिलीप वर्मा को 26,483 वोटों के अंतर से हराया है.

झारखंड की 14 लोकसभा सीटों से जीतने वाले प्रत्याशियों के नाम

रांची

संजय सेठ (भाजपा)

खूंटी

कालीचरण मुंडा (कांग्रेस)

पलामू

विष्णु दयाल राम (भाजपा)

लोहरदगा

सुखदेव भगत (कांग्रेस)

हजारीबाग

मनीष जायसवाल (भाजपा)

कोडरमा

अन्नपूर्णा देवी (भाजपा)

गोड्डा

निशिकांत दुबे (भाजपा)

राजमहल

विजय कुमार हांसदा (झामुमो)

जमशेदपुर

विद्युत वरण महतो (भाजपा)

सिंहभूम

जोबा मांझी (झामुमो)

गिरिडीह

चंद्रप्रकाश चौधरी (आजसू)

दुमका

नलिन सोरेन (झामुमो)

धनबाद

ढुल्लू महतो (भाजपा)

चतरा

कालीचरण सिंह (भाजपा)

झारखंड का गौरव

मानव की नीट-2024 में ऑल इंडिया रैंक वन

रांची। मानव प्रियदर्शी ने नीट 2024 अखिल भारतीय स्तर की परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक वन हासिल किया है. मानव प्रियदर्शी जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली के छात्र हैं, जिन्होंने एनईईटी परीक्षा में शुरुआत से ही अखिल भारतीय रैंक- 01 (720/720) स्कोर करके सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए. जेवीएम श्यामली के 12वीं (एन) के छात्र मानव प्रियदर्शी ने अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में एनईईटी 2024 परीक्षा में एआईआर रैंक 1 हासिल कर अपने मेधा शक्ति का लोहा मनवाया है. स्कूल रिकॉर्ड के अनुसार, वह केजी से कक्षा तक जेवीएम श्यामली के छात्र रहे हैं. मानव खेल में भी अपनी रुचि रखते हैं. प्राचार्य समरजीत जाना और स्कूल के वाइस-चेयरमैन ने मानव को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी.

औंधे मुंह गिरे झामुमो के बागी नेता जनता ने सिरे से खारिज कर दिया

- पार्टी नेतृत्व को देते रहे चुनौती, ताकत दिखाने का दंभ भरते रहे, पर हो गये फ्लॉप

रवि भारती। रांची

झारखंड की जनता ने झामुमो के बागी नेताओं को सिरे से नकार दिया है. यानि रिजेक्ट कर दिया. अपने दम पर चुनाव जीतने का दंभ भरने वाले बागी नेता औंधे मुंह गिर पड़े. चुनाव से पहले पार्टी नेतृत्व पर टिकट के लिए दबाव बनाते रहे. पार्टी लाइन से अलग हटकर अपनी मनमर्जी करते रहे. पार्टी के शीर्ष नेता उन्हें जितना मनाने की कोशिश करते, वे उतना ही ताव दिखाते थे. दावा करते रहे कि निर्दलीय लड़ कर ताकत दिखा देंगे. लेकिन चुनाव नतीजों ने साफ कर दिया कि जनता ने बागी व दलबदलू नेताओं को सिरे से खारिज कर दिया है. बागी ऐसा कुछ कर न सके, जैसे वे दंभ भरा करते थे. जनता ने उनकी सारी हेंकड़ी फुस्स कर दी. झामुमो केदो विधायक बागी हो गए. ऐन चुनाव के वक्त पार्टी नेतृत्व के निर्देशों की अनदेखी करते हुए चुनावी अखाड़े में कूद पड़े. इन नेताओं को पार्टी लाइन के खिलाफ काम करने के कारण पार्टी से निकाल भी दिया गया, लेकिन अब ये विधायक और नेता फिर से पार्टी में ही बने रहने की जुगत भिड़ा रहे हैं, ताकि अगले चार महीने में झारखंड में होनेवाले विधानसभा चुनाव में लाभ उठा सकें.

वोट के लिए हांफते रहे बागी विधायक लोबिन हेंब्रम

झामुमो के बागी विधायक लोबिन हेंब्रम चुनाव के पहले और मतदान के बाद भी जीतने का दंभ भरते रहे. उन्होंने पार्टी लाइन से अलग हट कर खतियान को लेकर यात्रा भी निकाली थी, अपनी ही सरकार की नाकामियों को प्रचारित-प्रचारित भी किया. लेकिन हेंब्रम की दाल नहीं गली. उनकी हेंकड़ी गुम हो गयी. सब धरा का धरा ही रह गया. जनता ने उन्हें नकार दिया. खुद जिस विस क्षेत्र के नेतृत्व करते हैं, वहां भी उनकी एक न चली.

चमरा लिंडा भी चारों खाने चित्त

झामुमो के बागी विधायक चमरा लिंडा भी औंधे मुंह गिरे. लोहरदगा से चुनावी समर में बागी प्रत्याशी के रूप में ताल ठोंक कर उतरे. टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने पार्टी से दूरी बना ली थी. लोहरदगा सीट से वे निर्दलीय मैदान में कूद पड़े, लेकिन उनका दंभ भी धरा का धरा रह गया. जनता ने उन्हें नकार दिया.

जयप्रकाश वर्मा और बसंत लोंगा को जनता ने कर दिया साइडलाइन : झामुमो के बागी नेता जयप्रकाश वर्मा की भी नहीं चली. निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनावी समर में कोडरमा से संसदीय क्षेत्र से ताल ठोंकी. लेकिन उनका जीत का दावा धरा का धरा रह गया.

बाबूलाल मरांडी की सारी रणनीति हुई फेल

आदिवासी सीटों पर भाजपा धराशायी

- 2019 में रघुवर को लेकर उभरे गुस्से को बाबूलाल मरांडी सहित अन्य आदिवासी नेता पाटने में फेल हुए
- **कल्पना सोरेन, हेमंत का वैकल्पिक आदिवासी चेहरा बनकर उभरीं,5 सीटें जीतने में अहम रोल**

कौशल आनंद। रांची

झारखंड में अनुसूचित जनजाति, यानि आदिवासियों के लिए आरक्षित पांचों आदिवासी सीटों से भाजपा का सूपड़ा साफ हो गया है. भाजपा दुमका, राजमहल, चाईबासा, लोहरदगा और खूंटी सीट से बुरी तरह से हार गयी है. अब झारखंड की राजनीति में इसके मायने निकाले जाने शुरू हो गये हैं. सबसे अधिक चर्चा तो इस बात को लेकर है कि क्या हेमंत सोरेन को ईडी द्वारा जेल भेजने का फायदा भाजपा को नहीं मिल सका. या वह मौके का लाभ उठाने में ही बुरी तरह से फेल हो गयी. क्या हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन उन्हें जेल भेजने के मामले को ढंग से भुनाने में सफल रही. दूसरी ओर इस बात की भी चर्चा हो रही है कि क्या आदिवासियों को समझाने में बाबूलाल मरांडी फेल रहे या आदिवासियों ने बाबूलाल जी की सुनी ही नहीं.

सीटिंग के साथ-साथ आदिवासी सीट बचाने में मरांडी रहे पूरी तरह विफल : भाजपा ने अपनी पार्टी के सभी दिग्गज नेताओं को दरकिनार करते हुए बड़े आदिवासी चेहरा के रूप में शुमार रहे पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी को प्रदेश की कमान सौंपी थी.

बाबूलाल पर न केवल आदिवासी सीटों को बचाने की बड़ी चुनौती थी, बल्कि सीटिंग 11 सीटें भी बचाने की चुनौती थी. लेकिन इन दोनों कसौटियों पर मरांडी खरे नहीं उतर सके. भाजपा को उम्मीद थी कि जो गुस्सा 2019 के विधानसभा चुनाव के वक्त रघुवर के कारण उसे उठानी पड़ी थी, उसकी भरपाई मरांडी को अपने पाले में लाकर कर ली जाएगी, लेकिन ऐसा कुछ हो न सका.

क्या झामुमो को मिल गया बड़ा वैकल्पिक आदिवासी चेहरा

हेमंत सोरेन की गैर मौजूदगी में उनकी पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन को कमान सौंपी गयी. कल्पना सोरेन ने 51 से अधिक चुनावी सभाएं कीं. 300 से अधिक छोटी-बड़ी नुक्कड़ सभा, पॉकेट मीटिंग की, रोड शो भी किया. उन्होंने लोकसभा ही नहीं सभी विधानसभा सीट पर प्रचार किया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के नीतियों पर लगातार निशाना साधती रहीं.उन्होंने अपने हर भाषण में अपने पति पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को साजिश के तहत जेल भेजने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया. तो क्या यह मान लिया जाए कि हेमंत सोरेन को जेल भेजने के मामले को भुनाने में झामुमो ने बाजी मार ली. क्या झामुमो को कल्पना सोरेन के रूप में बड़ा वैकल्पिक चेहरा मिल गया है.

सोरेन परिवार को फोड़ने और कांग्रेस में सेंधमारी का भी फायदा मरांडी नहीं दिला पाये

बाबूलाल मरांडी ने यह रणनीति बनायी थी कि दो अहम आदिवासी सीट चाईबासा और दुमका वह सोरेन परिवार और कांग्रेस में सेंधमारी कर अपने पाले में कर लेंगे. इसलिए पहले उन्होंने सिंहभूम से कांग्रेस की सीटिंग एमपी गीता कोड़ा को भाजपा में शामिल करा कर उन्हें भाजपा का टिकट भी दिला दिया. दूसरा दुमका से अपने घोषित प्रत्याशी सुनील सोरेन को हटा कर सीता सोरेन को मैदान में उतारा. लेकिन मरांडी का यह दोनों हथकंडा काम न आया.

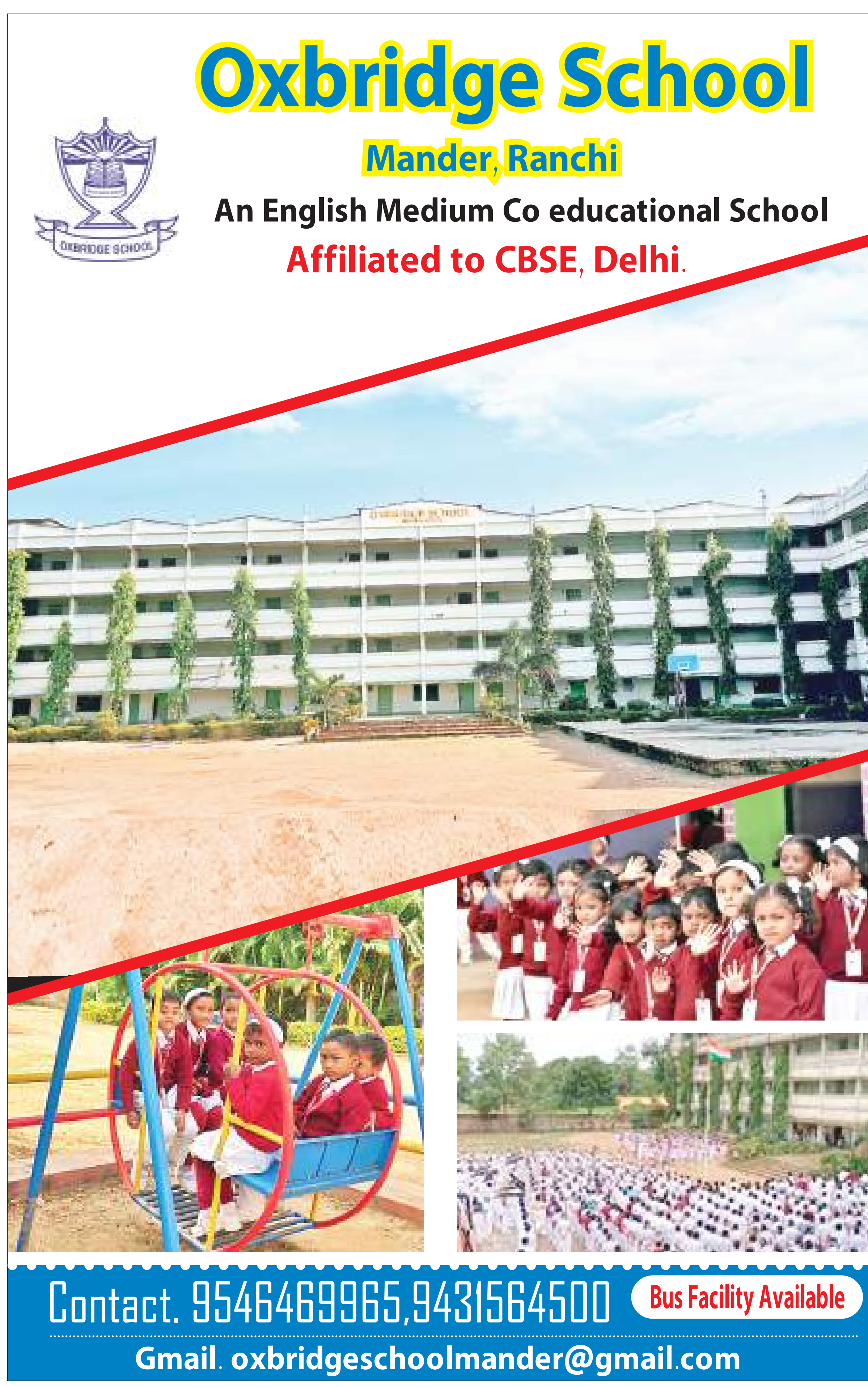

चुनाव परिणाम को लेकर प्रशासन मुस्तैद

संवाददाता। सेन्हा (लोहरदगा)

शहर की सुरक्षा में मुस्तैद पुलिस की टीम.

लोकसभा निर्वाचन आम चुनाव सम्पन्न होने के पश्चात मंगलवार को लोहरदगा लोकसभा चुनाव का मतगणना को लेकर सेन्हा थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाने को लेकर जिला प्रशासन के निर्देश पर जगह-जगह सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम किया गया था.

सेन्हा थाना क्षेत्र अन्तर्गत विभिन्न चौक चौराहों पर उपद्रवियों तथा शरारती तत्वों से निपटने के लिए झारखंड पुलिस बल के जवान और गृह रक्षा के जवानों को अरु, सेन्हा, बक्सीडीपा, कंडरा, भड़गांव व कल्हेपाट सहित सभी जगहों पर तैनात किया गया था. बताया जाता है कि लोकसभा चुनाव का परिणाम आने के उपरांत तथा मतगणना के क्रम में किसी तरह का हंगामा या उपद्रव न हो मतगणना के दौरान सभी लोग अपने अपने घरों में दूरदर्शन और मोबाइल से लोकसभा चुनाव का परिणाम जानने के लिए व्यस्त रहे.

वहीं लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस का परिणाम अच्छा देख विपक्षी पार्टी के कार्यकर्ता सदमे में थे. वे काफी चिंतित हो उठे. लेकिन जीत के जश्न में शरारती तत्वों द्वारा शांति भंग न हो इसे लेकर उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण और पुलिस अधीक्षक हारिश बिन जमां के निर्देश पर सेन्हा थाना क्षेत्र में जगह-जगह पर सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम किया गया था. जबकि आदेशानुसार प्रशिक्षु एसपी सह थाना प्रभारी वेदांत शंकर सुरक्षा बल के साथ क्षेत्र का भ्रमण करते रहे. साथ ही तैनात पुलिस पदाधिकारी से जायजा लेकर आवश्यक दिशा निर्देश देते रहे.

चुनाव परिणाम को लेकर लोग उत्साहित

संवाददाता। मेदिनीनगर

कृषि बाजार समिति प्रांगण में मतगणना स्थल पर जुटी भाजपाइयों की भीड़.

लोकसभा चुनाव को लेकर सात चरणों में हुए मतदान की मतगणना मंगलवार को हुई. पलामू संसदीय क्षेत्र के लिए हुए चुनाव का मतगणना कार्य स्थानीय जीएलए कॉलेज परिसर में किया गया. मतगणना कार्य को लेकर सुबह से ही लोगों में उत्साह देखा गया. बाजार व कचहरी परिसर में आम दिनों की अपेक्षा सन्नाटा छाया हुआ था.

बाजार में तो कई जगह दुकानदार अलग-अलग ग्रुप में टीवी पर मतगणना का रुझान देखकर चुनावी जोड़ घटाव में लगे दिखे. कई दुकानदारों ने बताया कि आज बाजार में पूरा सन्नाटा छाया हुआ है. कई दुकानदारों ने तो यह भी बताया कि सुबह से बोहनी भी नहीं हुई है. कचहरी परिसर का भी यही आलम था. अधिवक्ता हो या वकील सभी मतगणना का रुझान जानने में लगे हुए थे. इधर मतगणना को लेकर सुबह से ही मतदान केंद्रों पर लोगों की चहल-कदमी बढ़ गई थी. हर कोई पलामू संसदीय क्षेत्र के लिए प्रत्याशी को पड़े मतों को जानने के लिए बेताब दिखे. ग्रामीण क्षेत्रों में भी मतगणना का रुझान जाने को लेकर लोगों में उत्सुकता दिखी.

डाल्टनगंज विधायक आलोक चौरसिया ने पलामू संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी विष्णु दयाल राम को जिताने के लिए डाल्टनगंज विस क्षेत्रवासियों को बधाई दी है. उन्होंने सांसद विष्णु दयाल राम से मिलकर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि मतगणना लगभग खत्म होने को है और भाजपा प्रत्याशी विष्णु दयाल राम तीसरी बार पलामू लोकसभा के संसद के रूप में निर्वाचित होने जा रहे हैं.श्री चौरसिया ने कहा कि पूरे पलामू में सबसे ज्यादा मत हमारे विधानसभा क्षेत्र से भाजपा को वोट पड़ा है जिसके लिए हम अपने क्षेत्र वासियों के शुक्रगुजार हैं.

भाजपा प्रत्याशी के निर्णायक बढ़त के बाद कार्यकर्ताओं का जश्न शुरू

बम-पटाखा फोड़ा, त्रिपाठी भड़के

चतरा

संवाददाता। चतरा

पटाखा फोड़ने पर भड़के कांग्रेस प्रत्याशी केएन त्रिपाठी

चतरा में भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह के निर्णायक बढ़त के बाद मतगणना केन्द्र के समीप भाजपा के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जश्न मनाना शुरू कर दिया है. कार्यकर्ता बैंड-बाजे के साथ बम और पटाखा फोड़कर जीत का जश्न मनाने लगे हैं. भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह 12वें राउंड तक करीब एक लाख 25 हजार वोट से कांग्रेस प्रत्याशी केएन त्रिपाठी से आगे चल रहे हैं.भाजपा कार्यकर्ताओं के जश्न को देख बौखलाए कांग्रेस प्रत्याशी केएन त्रिपाठी ने जश्न के आड़ में भाजपा के कार्यकर्ताओं और कालीचरण सिंह के समर्थकों पर फायरिंग करने का आरोप लगाया है. मामले को लेकर नाराज कांग्रेस प्रत्याशी ने सुरक्षा व्यवस्था में तैनात डीएसपी मुख्यालय रोहित कुमार रजवार व पुलिस के जवानो के साथ भी उलझ गये. जिसके बाद कांग्रेस प्रत्याशी केएन त्रिपाठी ने मामले की शिकायत चतरा निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रमेश घोलप से भी है. शिकायत के बाद मतगणना केंद्र के बाहर लोगों को पुलिस ने खदेड़ कर भगा दिया. साथ ही बैंड बाजे वाले लोगों को भी यहां से हटा दिया. कांग्रेस प्रत्याशी ने मतगणना के केंद्र के बाहर जश्न मनाने पर आपत्ति दर्ज की. चतरा में 22 प्रत्याशी मैदान में हैं. अब तक भाजपा ने सभी पांच विधानसभा से डेढ़ लाख से अधिक मत से बढ़त बना ली है. यहां पार्टी लगातार तीसरी बार जीत के कगार पर है. दो बार सांसद रहने वाले सुनिल सिंह का टिकट काटकर कालीचरण सिंह को भाजपा ने प्रत्याशी बनाया है.

मतगणना केंद्र पर थी कड़ी सुरक्षा

संवाददाता। मेदिनीनगर

मतगणना स्थल पर पुलिस कर्मियों से बात करते वीडी राम.

स्थानीय जीएलए कॉलेज मतगणना केंद्र पर पलामू संसदीय सीट के लिए आज कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में सुबह 8 बजे से मतगणना शुरू हुई. सुरक्षा को लेकर दंडाधिकारियों के साथ विभिन्न चौक चौराहों पर पुलिस की तैनाती थी. रेड़मा चौक से पोखराहा चौक तक पुलिस के कड़ी सुरक्षा व्यवस्था थी. वहीं मतगणना केंद्र स्थल पर कई लेयर में अंदर और बाहर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था थी. बिना पहचान पत्र के किसी को प्रवेश नहीं दिया जा रहा था. कड़ी सुरक्षा के कारण कई लोगों को परेशानी भी हुई.

मतगणना कवरेज को लेकर पहुंचे मीडिया कर्मी के लिए भी कोई व्यवस्था नहीं दिखी. मीडिया कोषांग में लगभग 10 कुर्सियां लगी थी जिस कारण वहां पहुंचे मीडिया कर्मियों को बैठने का भी स्थान नहीं मिला. उन्हें मतगणना केंद्र के अंदर जाने की अनुमति नहीं थी. विष्णु गर्मी में भी वहां पेयजल की व्यवस्था नहीं थी. इस कारण दोपहर होते-होते तक मीडिया कोषांग लगभग खाली हो गया.

मतगणना केंद्र पर नहीं मिल रही थी जानकारी

जीएलए कालेज स्थित मतगणना केंद्र पर हर राउंड में प्रत्याशियों को प्राप्त मतों की जानकारी देने के लिए ध्वनि विस्तारक यंत्र लगा हुआ था, लेकिन उसके द्वारा लोगों को जानकारी नहीं दी जा रही थी. पहले राउंड की मतगणना के बाद जब राजद कार्यकर्ताओं ने जानकारी नहीं मिलने की बात करते हुए हंगामा शुरू किया गया तब दूसरे राउंड की मतगणना की जानकारी ध्वनि विस्तारक यंत्र से प्रसारित की गई. हालांकि इसके बाद भी कई राउंड की मतगणना में प्रत्याशियों को प्राप्त मतों की जानकारी लोगों को नहीं मिल सकी और धीरे-धीरे मतगणना केंद्र स्थल खाली होता चला गया.

कहीं छूटे पटाखे तो कहीं सिर पर हाथ फेरते रहे प्रत्याशी

जीत की खुशियां मनाते कार्यकर्ता.

संवाददाता। हजारीबाग

लोकसभा चुनाव का परिणाम आ चुका है. इसके साथ ही प्रत्याशियों में कहीं खुशी तो कहीं गम देखा जा रहा है. करीब 17 प्रत्याशी हजारीबाग लोकसभा सीट पर अपना किस्मत आजमा रहे थे. मंगलवार को रिजल्ट जारी होने से पहले प्रत्याशी अपने-अपने समर्थकों के साथ खुशियां मना रहे थे. सभी जीत का दावा कर रहे थे. लेकिन जैसे-जैसे राउंड बढ़ता गया वैसे-वैसे प्रत्याशी मायूस होते दिखे. शाम ढलते ही प्रत्याशी मतगणना स्थान से धीरे-धीरे हटने लगे. वहीं मंगलवार को सुबह छह बजे से दिन भर समर्थकों की भीड़ लगी रही. वहीं नौ राउंड में भाजपा के मनीष जायसवाल इंडिया गठबंधन प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल से एक लाख वोट से बढ़ गए. इसके बाद भाजपा के समर्थकों में खुशियां छाने लगी. वह पटाखे और ताश के धुन पर झूमते हुए नजर आए. समर्थकों ने मिठाई भी खूब बांटी और तीन लाख से जीतने का दावा करने लगे.

वहीं गठबंधन प्रत्याशी जेपी पटेल आठवीं राउंड तक जीत का दावा करते रहे. उन्हें यह भी उम्मीद था कि रामगढ़, कुजू और मांडू का मतगणना चालू होगा तो भाजपा से लीड करेंगे लेकिन नौवें राउंड में वह हताश होकर वापस चले गए और समर्थकों में मायूसी छा गई.

ये गरीब कल्याण की नीतियों की जीत : अन्नपूर्णा

संवाददाता। कोडरमा

झुमरीतिलैया में खुशियां मनाते भाजपा कार्यकर्ता.

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री और कोडरमा की सांसद अन्नपूर्णा देवी ने अपनी जीत के लिए कोडरमा संसदीय क्षेत्र के मतदाताओं, भाजपा और आजसू के सभी कार्यकर्ताओं और भाजपा संगठन से जुड़े सभी नेताओं के प्रति आभार प्रकट किया. उन्होंने कहा कि कोडरमा में सेवा, समर्पण और गरीब कल्याण की जीत हुई है. यह नारी सम्मान की जीत है. कोडरमा लोकसभा क्षेत्र के जन जन और कण कण से उनके आत्मीय तथा भावनात्मक रिश्ते की जीत हुई है. उन्होंने कहा कि कोडरमा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा की यह विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को समर्पित है.

यह जीत गृह मंत्री अमित शाह के सशक्त भारत को समर्पित है और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के सेवा - समर्पण - संगठन के सूत्र को समर्पित है. विजयी होने के बाद मीडिया से मुखातिब अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि मैं हमेशा कहती हूं कि मैं बहू बनकर कोडरमा आई और यहां के एक एक आंगन ने मुझे बेटी की तरह अपनाया. राजनीति के क्षेत्र में ऐसा स्नेह, इतनी आत्मीयता किस्मत वालों को नसीब होता है. मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं. यह आत्मीयता ही मुझे सेवा की प्रेरणा देती है. मेरे परिवारजनों ने एक बार फिर भरोसा जताते हुए मुझे सेवा का मौका दिया है. मैं आजीवन अनवरत अथक सेवा के माध्यम से परिवारजनों के स्नेह का ऋण सूद सहित चुकाने की कोशिश करूंगी.

अन्नपूर्णा देवी की शानदार जीत

वहीं अन्नपूर्णा देवी की शानदार जीत और एनडीए के स्पष्ट बहुमत से झुमरीतिलैया स्थित सुभाष चौक पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जबरदस्त उत्साह के साथ जश्न मनाया. भाजपा कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़े और मिठाई बांटकर अपनी खुशी का इज़हार किया. भाजपा नेता रमेश हर्षधर ने कहा कि यह जीत जनता के विश्वास और मोदी सरकार की नीतियों का परिणाम है. उन्होंने आगे कहा की यह जनता की जीत है, जिन्होंने सही उम्मीदवार को चुना और एनडीए के नेतृत्व में विश्वास जताया. अरशद खान ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत और जनता का समर्थन इस जीत की नींव है. हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है और हम सभी मिलकर क्षेत्र के विकास के लिए काम करेंगे. मौके पर भाजपा के कई कार्यकर्ता मौजूद थे. जिनमें राजेंद्र सिंह, संजय यादव, विनोद भदानी, भारत बक्शी, दीपक यादव, सुमन यादव, सोनू चंद्रवंशी और रोहित जायसवाल सहित मौजूद थे. सभी ने एक-दूसरे को बधाई दी और अन्नपूर्णा देवी की जीत को पार्टी और क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया.

खूंटी में कालीचरण डेढ़ लाख वोट से जीत गए

जीत की खुशियां मनाते कांग्रेस प्रत्याशी कालीचरण मुंडा व कार्यकर्तागण.

संवाददाता। खूंटी

झारखंड की सबसे हॉट सीटों में शामिल खूंटी लोकसभा सीट पर कांग्रेस ने जीत दर्ज कर ली है. जीत की आधिकारिक घोषणा का इंतजार है. कांग्रेस के कालीचरण मुंडा ने करीब डेढ लाख से अधिक वोटों से अर्जुन मुंडा को पछाड़ दिया है. मीडिया से बातचीत में कहा कि खूंटी के विकास के लिए काम करेंगे और खूंटी को बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराना उनकी प्राथमिकता होगी.

बता दें कि कालीचरण मुंडा के पिता टी. मुचिराय मुंडा बिहार सरकार में आठ बार मंत्री और छह बार (1967 से 1992 के बीच) विधायक रह चुके हैं, जिसमें खूंटी और तमाड़ से तीन-तीन बार विधायक रहे हैं. तमाड़ विधानसभा क्षेत्र से कालीचरण मुंडा दो बार (1992-2000) विधायक रह चुके हैं. वर्तमान में वे प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष हैं. खूंटी लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस ने लगातार तीसरी बार कालीचरण मुंडा को टिकट दिया है. 2014 के चुनाव में उन्हें भाजपा के दिग्गज नेता और पूर्व लोकसभा उपाध्यक्ष कड़िया मुंडा ने हराया था. 2019 के चुनाव में वे केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा से महज 1445 वोटों से हार गए थे. इस बार भी दो मुंडाओं के बीच सीधा मुकाबला था. कालीचरण मुंडा के छोटे भाई नीलकंठ सिंह मुंडा भाजपा में हैं.

पहले राउंड से ही आगे रहे भाजपा प्रत्याशी, चौथे स्थान पर रहा नोटा

भाजपा प्रत्याशी विष्णु दयाल राम ने 288622 मतों के अंतर से जीती पलामू सीट

मेदिनीनगर। जीएलए कॉलेज मतगणना केंद्र पर सुबह 8 बजे से पलामू संसदीय सीट के लिए 9 प्रत्याशियों समेत एक नोटा को प्राप्त मतों की गिनती शुरू हुई. गिनती शुरू होने के साथ है भाजपा प्रत्याशी विष्णु दयाल राम पहले राउंड से ही बढ़त बनाए रहे और अंतत उन्होंने जीत दर्ज की दूसरे स्थान पर राजद प्रत्याशी ममता भुइयां व तीसरे स्थान पर बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी कामेश्वर बैठा रहे. प्राप्त मतों के आधार पर चौथे स्थान पर नोटा रहा.अंतिम राउंड की मतगणना के बाद भाजपा प्रत्याशी ने 288622 मतों के अंतर से बड़ी जीत दर्ज की. उन्हें कुल 762290 मत प्राप्त हुए. वहीं दूसरे स्थान पर रही राजद प्रत्याशी ममता भुइयां को कुल 473668 मत मिले हैं. तीसरे स्थान पर रहे बहुजन समाज पार्टी प्रत्याशी कामेश्वर बैठा को 39267 मत मिला है. चौथे स्थान पर नोटा को 24226 मतदाताओं ने वोट किया. अन्य प्रत्याशियों में राष्ट्रीय समानता दल के ब्रजेश कुमार तुरी को 17542, सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ़ इंडिया(कम्युनिस्ट) के महेंद्र बैठा को 5097, बहुजन मुक्ति पार्टी के रामबचन राम को 4924, पीपुल्स पार्टी ऑफ़ इंडिया(डेमोक्रेटिक) के वृंदा राम को 11205, लोकहित अधिकार पार्टी के सनन राम को 17849 व निर्दलीय गणेश रवि को 17669 मत प्राप्त हुए हैं. कुल 21 राउंड में 1337345 इवीएम से प्राप्त मतों समेत 18298 पोस्टल बैलेट मतों की भी गिनती की गई.

विष्णु दयाल राम

कांग्रेस प्रत्याशी सुखदेव जीत का सेहरा बांध जश्न की तैयारी में जुटे

सेन्हा (लोहरदगा) । लोकसभा चुनाव परिणाम को लेकर भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस (इंडिया गठबंधन) के द्वारा गिनती के पूर्व कार्यकर्ताओं ने अवलोकन किया. जिसमें शतप्रतिशत परिणाम सामने आ ही गया. लेकिन भारतीय जनता पार्टी को लोहरदगा लोकसभा सीट से करारी हार की उम्मीद नहीं थी. जिसका परिणाम उल्टा देखने व सुनने को मिल रहा है. लोहरदगा लोकसभा सीट को कांग्रेस (इंडिया गठबंधन) प्रत्याशी सुखदेव भगत ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ चुनाव के पूर्व रणनीति तैयार किया. उसका असर देखने को मिला. यह भी कहा जा रहा है कि जनता ने इंडिया गठबंधन की आवाज को बुलंद करने में सकारात्मक सोच के साथ कदम से कदम मिलाकर चल जीत का सेहरा पहनाने में भरपूर सहयोग किया.

क्लासिफाइड

मुकेश ज्वेलर्स एंड संस
मुकेश जेम्स एंड ज्वेलरी
सोने-चांदी हीरे जवाहरात और रत्नों के विशेषज्ञ
ज्योतिष परामर्श केंद्र
शेरे पंजाब चौक (दयाल ट्रेड सेंटर के बगल में), आदित्यपुर
मो. 9431342548/8789502278

उत्कर्ष साइंस इंटर कॉलेज
SCIENCE • ARTS
नामांकन जारी है।
सत्र: 2024-2026
OUR SPECIAL FEATURES
No Need For Private Tuition
Free English Spoken Classes
Extra Classes For Weak Students
Scholarship is available
छात्राओं का निःशुल्क नामांकन
Lal Mohan Kumar
Secretary
सम्पर्क सूत्र :- 7991141963, 7209563687, 7970724567

GEETA INTER COLLEGE, H.BAG
SCIENCE | ARTS | COMMERCE
Admission is Going On
Session : 2024-2026
Features :
Girls Campus : With Hostel
Boys Campus : Without Hostel Facility
Zabra, Korrah, Hazaribagh
9835486174, 99054 84481, 8210363904

लातेहार

साप्ताहिक हाट के दिन भी सड़क थी सुनसान, दिन भर टीवी से चिपके रहे लोग

भाजपाइयों ने जीत के बाद बांटी मिठाइयां, की आतिशबाजी

आशीष टैगोर । लातेहार

लड्डू बांटते भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता.

चतरा संसदीय सीट से भाजपा ने जीत की हैट्रिक लगायी है. कालीचरण सिंह ने राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के केएन त्रिपाठी को हरा कर भाजपा की साख चतरा सीट पर कायम रखी. बता दें कि पिछले दो टर्म से भाजपा के सुनील सिंह चतरा के सासंद थे. इस बार भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने सुनील सिंह का पत्ता काट कर कालीचरण सिंह को चतरा संसदीय क्षेत्र से प्रत्याशी बनाया था और कालीचरण सिंह ने शीर्ष नेतृत्व के भरोसे को कायम रखा. हालांकि देश भर में भाजपा का प्रदर्शन आशा के अनुरूप नहीं रहा.

चतरा से भाजपा की जीत पर लातेहार जिला में भाजपाइयों ने खुशियां मनायी. लड्डू बांटे और आतिशबाजी की. शहर के रेलवे स्टेशन रोड में बजरंग टेंट हाउस के पास भाजपाइयों ने स्टॉल लगा कर आम राहगीरों के बीच लड्डू बांटे गये. मौके पर महावीर दुबे, संतोष कुमार दुबे, रंजीत कुमार, जीतेंद्र प्रसाद, राकेश सिंह, गौतम सिंह, लक्ष्मी प्रसाद, आजसू के जिला उपाध्यक्ष बिट्टू दास आदि मौजूद थे.

दिन भर टीवी से चिपके रहे लोग

: इससे पहले लोकसभा चुनाव का परिणाम जानने के लिए लोग दिन भर टीवी से चिपके रहे. इस कारण सड़क पर लोगों की आवाजाही कम देखी गयी.

साप्ताहिक मंगलवारीय हाट होने के बावजूद भी शहर की सड़कें वीरान थीं. शहर के अति व्यस्त बाइपास चौक में भी वीरानी छायी थी. वाहनों का आवागमन तो हो रहा था, लेकिन उसमें यात्री कम देखे गये. ऑटो चालक संजय से पूछने पर उसने बताया कि आज काफी कम यात्री देखे गये. साप्ताहिक हाट में भी कम लोग आने के कारण धंधा थोड़ा मंदा रहा. शहर के कई प्रतिष्ठानों में लोगों को सामूहिक रूप से टीवी में चुनाव का परिणाम देखते देखा गया.

पूर्व विधायक ने कालीचरण सिंह को बधाई दी

पूर्व विधायक प्रकाश राम ने भाजपा की जीत पर प्रत्याशी कालीचरण सिंह को बधाई दी. उन्होने कहा कि कालीचरण सिंह आम मतदाताओं के विश्वास पर खरे उतरेंगे. उनके कार्यकाल में चतरा संसदीय क्षेत्र का विकास होगा. वे यहां की समस्याओं को संसद तक पहुंचाने में सफल होंगे. मौके पर गौरव दास पांडेय, लातेहार मुखिया संघ के अध्यक्ष सुभाष सिंह समेत कई लोग मौजूद थे.

सुबह से चौक-चौराहों पर पसरा रहा सन्नाटा

चंदवा। मंगलवार की सुबह से ही चंदवा के चौक-चौराहों में सन्नाटा छाया था. जहां हमेशा नेताओं का जमावड़ा लगा रहता था, आज वहां की कुर्सियां दिनभर खाली पड़ी रही. भाजपा के पक्ष में चुनाव परिणाम आने पर यहां खुशी देखी गयी. लोगों ने मिठाइयां बांटी और अपने पैसों से पटाखे आदि का आतिशबाजी करना शुरू कर दिया. ठेला पर पानी-पुरी बेच अपने परिवार का भरण पोषण करने वाले युवक ने रसगुल्ला खरीद अगल-बगल के लोगों के बीच बांट खुशी का इजहार किया. मौके पर रिक्की वर्मा, रुपेश ठाकुर, दीपक कुमार, मोहित वर्मा, श्याम सुंदर कुमार साव, अजय कुमार व राजेश चंद्रवंशी आदि मौजूद थे.

चतरा में भाजपाइयों ने निकाला विजय जुलूस, उफान पर कार्यकर्ताओं का उत्साह

मेरी नहीं, चतरा लोस क्षेत्र के जनता की जीत : काली चरण सिंह

संवाददाता ।चतरा

मंगलवार को चतरा जिला मुख्यालय के अलावे विभिन्न प्रखंडों में पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी प्रत्याशी काली चरण सिंह की जीत पर जश्न मनाया. इस दौरान कार्यकर्ताओं में जोश देखते ही बन रहा था. कार्यकर्ता भारत माता की जय, प्रत्याशी के जिंदाबाद के नारे लगाते हुए जीत की खुशी मना रहे थे. सभी एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर एवं मिठाई खिलाकर खुशी मनाया1 इस अवसर पर पार्टी समर्थक सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे.

राजद ने 2004 में की थी जीत दर्ज | लोकसभा चुनाव 2004 में राष्ट्रीय जनता दल से धीरेंद्र अग्रवाल ने चतरा सीट पर कब्जा किया था. दूसरे स्थान पर जनता दल यूनाइटेड के इंदर सिंह नामधारी व भारतीय जनता पार्टी के नागमणि तीसरे स्थान पर रहे थे.

225494 मतों से बीजेपी ने चतरा में जीत दर्ज की

चतरा। मंगलवार को लोकसभा चुनाव 2024 के चतरा लोकसभा से भाजपा काली कालीचरण सिंह ने दो लाख से अधिक मतों से जीत दर्ज की. चतरा लोकसभा के सांसद बनने के बाद श्री सिंह ने अपने हाथों से भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच जीत के लड्डू का वितरण किया. इस दौरान श्री सिंह नें पत्रकारों से कहा कि यह जीत चतरा लोकसभा के जनता व पार्टी कार्यकर्ताओं की है, मैं तो केवल निमित्त मात्र हूं.

भाजपा के कार्यकर्ताओं तक पहुंचा नाश्ता, राजद कार्यकर्ता हुए मायूस

संवाददाता ।मेदिनीनगर

जीएलए कॉलेज मतगणना केंद्र पर भाजपा और राजद ने अपने एजेंट बैठा रखे थे. दोनों पार्टियों ने एजेंट को लेकर पानी में नाश्ते की व्यवस्था कर रखी थी. दिन के लगभग के 11:00 बजे बीजेपी एजेंट के लिए नाश्ता लेकर वहां मतगणना केंद्र स्थल पर पहुंचा लेकिन इसे सुरक्षाकर्मियों ने रोक दिया. बाद में भाजपा प्रत्याशी विष्णु दयाल राम मौके पर पहुंचे और

उन्होंने पलामू एसपी रिष्मा रमेशन से बात की इसके बाद नाश्ते का पैकेट लेकर वहां मतगणना केंद्र स्थल पर पहुंचा. वही राजद कार्यकर्ताओं के लिए नाश्ता लेकर पहुंचे वाहन को केंद्र के अंदर प्रवेश नहीं दिया गया. इस वाहन को मतगणना केंद्र के अंदर जाने के लिए पास इशू नहीं किया गया था. इसे लेकर राजद प्रत्याशी ममता भुइया मौके पर पहुंची लेकिन उन्हें बताया गया कि एंट्री पास नहीं होने के कारण वाहन अंदर नहीं जा सकता है.

राजद प्रत्याशी ममता भुईयां ने जताया मतदाताओं का आभार

मेदिनीनगर । पलामू संसदीय सीट की मतगणना पूरी होने के बाद राजद प्रत्याशी ममता भुइयां ने पलामू संसदीय क्षेत्र की जनता को अपना आशीर्वाद देने के लिए आभार जताया है. उन्होंने कहा कि यह जनता का निर्णय है और मैं इसे स्वीकार करती हूं. उन्होंने कहा कि जनता से प्राप्त आशीर्वाद से हमारा मनोबल बढ़ा है और मैं आगे भी जनता की सेवा में लगी रहूंगी.

छतरपुर विधायक ने मतदाताओं को दी बधाई

मेदिनीनगर। पलामू संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी विष्णु दयाल राम की प्रचंड जीत के लिए छतरपुर विधायक पुष्पा देवी व पूर्व सांसद मनोज कुमार ने पलामू व गढ़वा जिला के मतदाताओं को बधाई दी है. उन्होंने भाजपा प्रत्याशी विष्णु दयाल राम को भी कर्मठ व्यक्ति बताते हुए जीत के लिए बधाई दी है. छतरपुर विधायक पुष्पा देवी ने कहा कि इस जीत में छतरपुर पाटन विस क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों का सामूहिक प्रयास रहा है और यह जीत छतरपुर पाटन के आमलोगों के प्रयास की जीत है. पूर्व सांसद मनोज कुमार ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी विष्णु दयाल राम योग्य व कर्मठ व्यक्ति हैं. पलामू संसदीय क्षेत्र की जनता ने उनके पूर्व के कार्यों को देखा और परखा है. यह जीत उसी का परिणाम है. उन्होंने भाजपा प्रत्याशी की जीत के लिए पलामू सांसद के क्षेत्र के मतदाताओं समेत पाटन छतरपुर क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं व समर्थकों का आभार जताते हुए उन्हें भी इस जीत के लिए बधाई दी है.

झारखंड की 14 सीटें किसको मिला जनता का आशीर्वाद

जीत की खुशी हार का मातम

झारखंड में 14 लोकसभा सीटों के चुनाव परिणाम आने के साथ ही एक बार फिर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है. जीत के खेमें में जहां जश्न का माहौल है, वहीं हारने वाले प्रत्याशी और उनके समर्थकों के बीच मायूसी छा गई है. जीतने और हारने वाले प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ मतदान परिणाम की समीक्षा करते देखे गए. सुबह से ही मतगणना केंद्रों के साथ-साथ टीवी से भी लोग चिपके थे. हर कोई अपने मनपसंद नेता और सीट के परिणाम को लेकर उतावला था. शाम तक रुझान परिणाम में बदलने लगे थे और जीत का जश्न शुरू हो गया था. इस समय झारखंड में जीतने वाले नेता और उनके समर्थक जीत के जश्न में डूबे हैं.

पलामू
वीडी राम	770362 वोट मिले
जीत का अंतर	288807
निकटतम प्रतिद्वंदी: ममता भुईयां	481555 वोट मिले

लोहरदगा
सुखदेव भगत	466976 वोट मिले
जीत का अंतर	132440
निकटतम प्रतिद्वंदी: समीर उरांव	334536 वोट मिले

हजारीबाग
मनीष जायसवाल	647416 वोट मिले
जीत का अंतर	275775
निकटतम प्रतिद्वंदी: जेपी पटेल	371641 वोट मिले

जमशेदपुर
विद्युत वरण महतो	726174 वोट मिले
जीत का अंतर	259782
निकटतम प्रतिद्वंदी: समीर मोहंती	466392 वोट मिले

सिंहभूम
जोबा मांझी	520164 वोट मिले
जीत का अंतर	168402
निकटतम प्रतिद्वंदी: गीता कोड़ा	351765 वोट मिले

गिरिडीह
सीपी चौधरी	451139 वोट मिले
जीत का अंतर	80880
निकटतम प्रतिद्वंदी: मथुरा महतो	370259 वोट मिले

कोडरमा
अन्नपूर्णा देवी	762710 वोट मिले
जीत का अंतर	367981
निकटतम प्रतिद्वंदी: विनोद सिंह	394729 वोट मिले

गोड्डा
निशिकांत दूबे	693140 वोट मिले
जीत का अंतर	101813
निकटतम प्रतिद्वंदी: प्रदीप यादव	591327 वोट मिले

राजमहल
विजय हांसदा	611389 वोट मिले
जीत का अंतर	177268
निकटतम प्रतिद्वंदी: ताला मरांडी	434121 वोट मिले

रांची

संजय सेठ	664732 वोट मिले
जीत का अंतर	120512
निकटतम प्रतिद्वंदी: यशस्विनी सहाय	544220 वोट मिले

खूंटी

कालीचरण मुंडा	511647 वोट मिले
जीत का अंतर	149675
निकटतम प्रतिद्वंदी: अर्जुन मुंडा	361972 वोट मिले

दुमका
नलिन सोरेन	547370 वोट मिले
जीत का अंतर	22527
निकटतम प्रतिद्वंदी: सीता सोरेन	524843 वोट मिले

धनबाद
ढुल्लू महतो	782423 वोट मिले
जीत का अंतर	330065
निकटतम प्रतिद्वंदी: अनुपमा सिंह	452358 वोट मिले

चतरा
कालीचरण सिंह	566658 वोट मिले
जीत का अंतर	225494
निकटतम प्रतिद्वंदी: केएन त्रिपाठी	341164 वोट मिले

जनादेश के संदेश

जनादेश का संदेश एक ऐसे लोकतंत्र और सत्ता के पक्ष में है, जो लोगों के सवालों के प्रति संवेदनशील हो. यानी लोगों ने अपनी निराशा और उम्मीद दोनों के बीच एक संतुलन रखा है. लोकतंत्र के प्रति भारतीय जनगण की प्रतिबद्धता भी इन चुनावों से स्पष्ट होती है. जनता समावेशी विकास चाहती है और बढ़ती आर्थिक असमानता के विरोध में है. जनगण ने यह भी स्पष्ट किया है कि लोगों की आकांक्षाओं और उम्मीदों के प्रति राजनीतिक दल सचेत रहें. इस चुनाव ने यह भी दिखाया है कि भारत में लोकतंत्र के बुनियादी सरोकार अपनी जगह मजबूत हैं. जनादेश जनगण की परिपक्वता का प्रदर्शित करता है. भारत का लोकतंत्र दुनिया भर में सराहा जाता है और इस जनादेश ने उसे और परिपक्वता प्रदान किया है. चुनाव नतीजे यह भी बताते हैं कि देश के विभिन्न हिस्सों के लोगों की आकांक्षाओं को गहराई से समझने की जरूरत है. खास कर उन राज्यों को आर्थिक तौर पर मजबूत बनाना होगा, जो विकास की दौड़ में पीछे रह गए हैं. इस जनादेश का इस अर्थ में भी गहरा महत्व है कि भारत की विविधता वाली संस्कृति और मजबूत हुई है. भारतीय राजनीति में बहुदलीयता की अवधारणा को जनता ने अहम माना है और एकदलीयता के प्रभाव को उसने चुनौती भी प्रदान की है. अब जरूरत इस बात की है कि भारत में समावेशी और समेकित विकास के साथ देश के सभी नागरिकों को अहमियत दी जाए और धर्म या जाति की राजनीति से परहेज किया जाए. भारत एक बहुभाषी बहुधार्मिक समाज है और यह इसकी खूबसूरती है. इस जनादेश ने इस जनगण की खूबसूरती को नया स्वर दिया है. भारतीय जनता पार्टी के लिए यह जनादेश कई सबक देता है. पहला सबक तो यही है कि वह धार्मिक आधार पर भेदभाव की अपनी रणनीति को दरकिनार करे. भाजपा को सही अर्थों में एक राष्ट्रीय पार्टी बनने के लिए अल्पसंख्यक समुदायों का विश्वास हासिल करना होगा. भाजपा ने ओडिशा में अपनी ताकत का विस्तार किया है. जाहिर है यह एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि ओडिशा की संस्कृति भारत के अन्य राज्यों की तुलना में अलग है. समय आ गया है कि भारत को दुनिया में एक वास्तविक लोकतांत्रिक ताकत बनाने के लिए देश के भीतर के विभाजन कारकों को दूर किया जाए. इस बार भारत के विभिन्न राज्यों के जनादेश का गहराई से विश्लेषण करने की जरूरत है, क्योंकि वे एक राष्ट्रीय संदेश के साथ साथ क्षेत्रीय आकांक्षाओं की भिन्नता को भी प्रकट करते हैं. कांग्रेस के लिए यह चुनाव एक जीवन-शक्ति बन गया है. उसे खारिज करने वालों के लिए इस जनादेश ने साफ संदेश दिया है कि राजनीति में किसी को भी खारिज नहीं किया जा सकता है. एनडीए और इंडिया दोनों गठबंधनों को अपनी नीतियों और रणनीति पर पुनर्विचार करने की भी जरूरत है. लंबे समय के बाद इस चुनाव ने यह भी स्पष्ट किया है कि जनगण को भी खारिज करने के बतौर नहीं लिया जाना चाहिए. पिछले सालों में पक्ष-विपक्ष के बीच कटुता का माहौल बढ़ा है. समय आ गया है कि कटुता के बजाय सहयोग और सहकार की राजनीति को अंजाम दिया जाए.

> भारत एक बहुभाषी बहुधार्मिक समाज है और यह इसकी खूबसूरती है. इस जनादेश ने इस जनगण की खूबसूरती को नया स्वर दिया है. भारतीय जनता पार्टी के लिए यह जनादेश कई सबक देता है.

सुभाषित

मूर्खस्य पंच चिह्नानि गर्वो दुर्वचनं तथा।
क्रोधश्च दृढवादश्च परवाक्येष्वनादरः॥

मूर्खों के पांच लक्षण होते हैं - गर्व (अहंकार), दुर्वचन (कटु वाणी बोलना), क्रोध, कुतर्क और दूसरों के कथन का अनादर. इन लक्षणों के आधार पर मूर्खों को आसानी से पहचाना जा सकता है. वे हर समय गर्व से भरे रहते हैं, कटुवाणी बोलते हैं, गुस्से में रहते हैं, कुतर्क देते हैं और दूसरों के कथन का अनादर करते हैं.

कब पूरे होंगे संपूर्ण क्रांति के सपने

मौजूदा सच कुछ मायूस करने वाला है. यह बताता है कि 'संपूर्ण क्रांति' का आंदोलन कहीं ठहर गया. अधूरा रह गया है. आज का सच और विडंबना यह है कि जो राजनीतिक समूह अभी देश की सत्ता और राजनीति पर प्रभावी है, वह भी खुद को जेपी और उस आंदोलन का वारिस होने का दावा करता है. मगर वह उस आंदोलन के मूल्यों के उलट एक संकीर्ण हिंदुत्व के विचार से लैस है और येन केन प्रकारेण उसे देश पर थोपना चाहता है. लोकतंत्र के नाम पर वह असहमति और सवाल पूछने के अधिकार को नकारता है.

• देश-काल

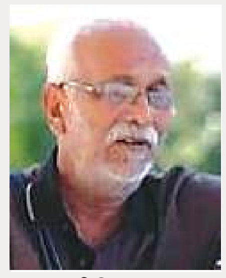

श्रीनिवास

जाहिर है, उसके बाद आंदोलन पर राजनीतिक रंग भी कुछ ज्यादा ही हावी हो गया. 12 जून '75 को इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा इंदिरा गांधी के निर्वाचन को रद्द करने के फैसले के बाद तो देश का वातावरण ही बदल गया. निश्चय ही आंदोलन के दबाव और देश में फैलते उसके प्रभाव के कारण ही इंदिरा गांधी पर प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने का ऐसा दबाव पड़ा कि उन्होंने 25 जून की रात देश में इमरजेंसी लगा दी. जेपी सहित विपक्ष के लगभग तमाम नेता गिरफ्तार हो गए. उसके बाद जो हुआ, सब इतिहास में दर्ज है. लेकिन बाद में शिद्दत से महसूस हुआ कि यदि जेपी की इच्छा और उनके निर्देशों के अनुरूप हम गांवों से और गहरे जुड़ सके होते, 'जनता सरकार' का गठन कर सके होते तो इमरजेंसी में भी वैसी दहशत और खामोशी नहीं दिखती, जो दिखी. 1977 में केंद्र, फिर अनेक राज्यों में सत्ता तो बदली, फिर भी बहुत कुछ नहीं बदला. कम से कम जेपी (और हमारी) की कल्पना के अनुरूप तो नहीं ही बदला. तब से अब तक देश- दुनिया में बहुत बदलाव हो चुका है, लेकिन इसे सकारात्मक नहीं कह सकते. आज तो देश और भी निराशाजनक दौर से गुजर रहा है. बिना घोषणा के तानाशाही के लक्षण दिखने लगे हैं.

आज बहुतों को लग सकता है कि आंदोलन अंततः निष्प्रभावी और विफल साबित हुआ, लेकिन उस आंदोलन से निकली विभिन्न धाराओं ने भारतीय राजनीति की दशा दिशा को गहरे प्रभावित किया, इससे कोई इनकार नहीं कर सकता. उस आंदोलन से युवाओं की शक्ति स्थापित हुई. लोकतंत्र मजबूत हुआ. दोबारा इमरजेंसी लगने की आशंका लगभग निरस्त हुई. मानवाधिकार को मान्यता मिली. उस आंदोलन से निकले समूहों ने देश भर में जनता के सवालों को उठाने, उन्हें संगठित करने का काम जारी रखा. जल- जंगल-जमीन पर समाज के अधिकार और नर-नारी समता के सवाल को राष्ट्रीय महत्व का मुद्दा बनाया. जेपी द्वारा एक जनवरी 1975 में गठित युवा संगठन 'छात्र-युवा संघर्ष वाहिनी' ने जमीनी बदलाव और शांतिमय वर्ग संघर्ष के सफल प्रयोग किये. 1978 में बोधगया मठ के अवैध कब्जे में पड़ी करीब दस हजार एकड़ जमीन की मुक्ति के लिए स्थानीय मजदूरों व किसानों को संगठित किया. दो वर्ष के अंदर मठ की आर्थिक और सामाजिक ताकत ध्वस्त हो गयी. सरकार ने मुक्त जमीन को भूमिहीनों के बीच वितरित किया. उस वितरण में जमीन का स्वामित्व महिलाओं को भी मिले, यह शर्त रखी गयी. प्रशासन ने अड़ंगा लगाने का प्रयास किया. फिर भी अनेक गांवों में महिलाओं के नाम जमीन का कागज बना. भारत में संभवतः ऐसा पहली बार हुआ. जमींदारी की तरह गंगा पर जारी 'पानीदारी' के खिलाफ 'गंगा मुक्ति आंदोलन' किया, जो सफल भी हुआ. मौजूदा सच कुछ मायूस करने वाला है. यह बताता है कि 'संपूर्ण क्रांति' का आंदोलन कहीं ठहर गया. अधूरा रह गया है. आज का सच और विडंबना यह है कि जो राजनीतिक समूह अभी देश की सत्ता और राजनीति पर प्रभावी है, वह भी खुद को जेपी और उस आंदोलन का वारिस होने का दावा करता है. मगर वह उस आंदोलन के मूल्यों के उलट एक संकीर्ण हिंदुत्व के विचार से लैस है और येन केन प्रकारेण उसे देश पर थोपना चाहता है. लोकतंत्र के नाम पर वह असहमति और सवाल पूछने के अधिकार को नकारता है.

जिस लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की पुनर्स्थापना उस आंदोलन का एक प्रमुख लक्ष्य था, उनमें इनकी निष्ठा नहीं है, यह स्पष्ट हो गया है. लोकतंत्र के रास्ते तानाशाही आने की आहट मिलने लगी है. यदि वे अपनी मंशा पूरी करने में सफल हो गये, तो यह उस आंदोलन की बहुत बड़ी पराजय होगी. इससे उसका नकारात्मक होना भी सिद्ध होगा. ऐसा न हो, यह दायित्व उन लोगों पर है, जो खुद को 'सम्पूर्ण क्रांति' धारा का असली वारिस मानते हैं, जो इस संकीर्णता और धर्मोन्माद की राजनीति को गलत मानते हैं, जो इस देश को विषमता और अन्याय से मुक्त, समानता, बंधुत्व और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित लोकतांत्रिक देश बनाना चाहते हैं. आज यदि हम ऐसा करने का संकल्प ले सकें, तभी 'पांच जून' को याद करना सार्थक होगा.

हमारा मकसद एक आदर्श समाज का निर्माण करना रहा है, तो जाहिर है कि हम बेहतर इंसान बनाना चाहते हैं. भौतिक सुविधा से आगे वह मानसिक रूप से मानव मात्र को समान मानने वाला इंसान होगा. हम हर तरह की विषमता और भेदभाव को गलत मानते हैं. मगर समता के साथ न्याय भी आवश्यक है. समता में स्वतंत्रता और बंधुत्व अंतर्निहित है. उसके बिना लोकतंत्र भी अधूरा रहेगा, लेकिन आज जिस तरह धर्म और इतिहास की संकीर्ण व मनमानी व्याख्या हो रही है, फिलहाल इस कारण समाज में जो उन्माद फैल रहा है, वह बड़ी चुनौती है. इसके रहते समग्र बदलाव की चर्चा भी बेमानी होगी. हमारी एक बड़ी कमी या असफलता यह रही कि युवा पीढ़ी को हम अपेक्षित संख्या में जोड़ नहीं सके, संपूर्ण क्रांति के विचार उन तक पहुंचा नहीं सके. फिर भी आशावादी होने के नाते उम्मीद करना चाहता हूं कि भटकाव का यह दौर जल्द खत्म होगा. और हमारा समाज और देश गांधी, डॉ आंबेडकर और जेपी- लोहिया जैसे नायकों के दिखाये रास्ते पर चलेगा. अपना समतामूलक, बहुलतावादी स्वरूप कायम रखते हुए विकसित और समृद्ध होगा.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

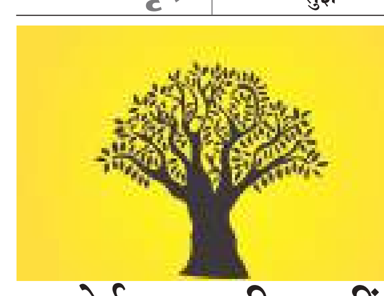

कोई महत्वहीन नहीं

यह पूरा संसार परमपिता परमेश्वर की सुंदर रचना है. इसलिए यहां कोई व्यक्ति या वस्तु महत्वहीन नहीं है. सबका अपना अपना महत्व है. हर एक व्यक्ति, प्राणी और वस्तु में विशेष गुण मौजूद होता है. वे सभी गुण संसार के लिए उपयोगी होते हैं. एक समुराई जिसे उसके शौर्य, निष्ठा और साहस के लिए जाना जाता था, एक जेन संन्यासी से सलाह लेने पहुंचा. जब संन्यासी ने ध्यान पूर्ण कर लिया तब समुराई ने उससे पूछा, "मैं इतना हीन क्यों महसूस करता हूं? मैंने कितनी ही लड़ाइयां जीती हैं, कितने ही असहाय लोगों की मदद की है. पर जब मैं और लोगों को देखता हूं तो लगता है कि मैं उनके सामने कुछ नहीं हूं, मेरे जीवन का कोई महत्त्व ही नहीं है." "रुको, जब मैं पहले से एकत्रित हुए लोगों के प्रश्नों का उत्तर दे लूंगा तब तुमसे बात करूंगा.", संन्यासी ने जवाब दिया. समुराई इंतज़ार करता रहा, शाम ढलने लगी और धीरे -धीरे सभी लोग वापस चले गए. "क्या अब आपके पास मेरे लिए समय है?", समुराई ने संन्यासी से पूछा. संन्यासी ने इशारे से उसे अपने पीछे आने को कहा, चांद की रोशनी में सबकुछ बड़ा शांत और सौम्य था, सारा वातावरण बड़ा ही मोहक प्रतीत हो रहा था. "तुम चाँद को देख रहे हो, वह कितना खूबसूरत है! वह सारी रात इसी तरह चमकता रहेगा, हमें शीतलता पहुंचाएगा, लेकिन कल सुबह फिर सूरज निकल जायेगा और सूरज की रोशनी तो कहीं अधिक तेज होती है, उसी की वजह से हम दिन में खूबसूरत पेड़ों, पहाड़ों और पूरी प्रकृति को साफ़-साफ़ देख पाते हैं, मैं तो कहूंगा कि चांद की कोई ज़रूरत ही नहीं है... .उसका अस्तित्व ही बेकार है!!" "अरे! यह आप क्या कह रहे हैं, ऐसा बिलकुल नहीं है" समुराई बोला, "चांद और सूरज बिलकुल अलग-अलग हैं, दोनों की अपनी-अपनी उपयोगिता है, आप इस तरह दोनों की तुलना नहीं कर सकते", समुराई बोला. "तो इसका मतलब तुम्हें अपनी समस्या का हल पता है. हर इंसान दूसरे से अलग होता है, हर किसी की अपनी-अपनी खूबियां होती हैं, और वह अपने-अपने तरीके से इस दुनिया को लाभ पहुंचाता है. बस यही प्रमुख है बाकी सब गौण है", संन्यासी ने अपनी बात पूरी की. मित्रो! हमें भी स्वयं के अवदान को कम अंकित कर दूसरों से तुलना नहीं करनी चाहिए, प्रायः हम अपने गुणों को कम और दूसरों के गुणों को अधिक आंकते हैं, यदि औरों में भी विशेष गुणवत्ता है तो हमारे अन्दर भी कई गुण मौजूद हैं.

समावेशी विकास का संदेश है चुनाव परिणाम

• जनादेश

प्रफुल्ल कोलख्यान

> आम चुनाव 2024 लगभग शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ. वर्तमान का परिणाम भविष्य में निकलता है. मनुष्य के लिए वर्तमान में ही सारा सरंजाम होता है. सुख का भी, दुख का भी. मनुष्य हमेशा वर्तमान से बेहतर की तलाश में रहता आया है, यही उसे अन्य प्राणियों से न सिर्फ भिन्न बनाता है, बल्कि निरंतर विकसित भी करता रहा है.

जनादेश सहभागी लोकतंत्र और समावेशी विकास का संदेश है. आलेख लिखे जाने तक बंगाल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र निर्णायक साबित हुआ है. इन तीनों राज्यों में भाजपा पिछड़ गयी है. राजस्थान में भी भाजपा का नुकसान नज़र आ रहा है. उम्मीद के मुताबिक भाजपा ने मध्यप्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात में विपक्ष का सफाया कर दिया है. भारत का केंद्र उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और बंगाल से तय होता है. तमिलनाडु, केरल, पंजाब में इंडिया गठबंधन जीत की ओर है. बिहार में नीतीश कुमार जीत की ओर है, झारखंड में भाजपा जीत की ओर है. इस दफा उड़ीसा की जनता भाजपा पर लहलोट नज़र आ रही है, क्योंकि वहां भाजपा क्लीन स्वीप कर देगी. भाजपा के चार राज्य बिगड़ गए हैं- उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बंगाल और महाराष्ट्र. भाजपा की सुपर जीत मध्यप्रदेश, उड़ीसा, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, हिमाचल, अरुणाचल में हुई है. बिहार, झारखंड और कर्नाटक में टक्कर हुई है. इस दफा बहुमत किसी भी दल को मुश्किल है. पांच साल सरकारों का आना जाना चलता रहेगा. संसद पांच वर्षों तक हंगामे से गूंजती रहेगी. यह लोकतंत्र के लिए अच्छा है, पक्ष और विपक्ष बराबर का होना चाहिए. एक व्यक्ति एक दल, यह चीज़ें खतरनाक हैं और वह भी लंबे समय तक ज्यादा खतरनाक हैं. आम चुनाव 2024 लगभग शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ. वर्तमान का परिणाम भविष्य में निकलता है. मनुष्य के लिए वर्तमान में ही सारा सरंजाम होता है. सुख का भी, दुख का भी. मनुष्य हमेशा वर्तमान से बेहतर की तलाश में रहता आया है, यही उसे अन्य प्राणियों से न सिर्फ भिन्न बनाता है, बल्कि निरंतर विकसित भी करता रहा है. स्वाभाविक है कि वह हमेशा भविष्य के गर्भ में छिपे वर्तमान में संपन्न कार्य का परिणाम जानने को उत्सुक रहता है. यहां तक कि जाने हुए को भी बार-बार जानना चाहता है. इसमें न सिर्फ राहत, बल्कि मनोरंजन का भी तत्व होता है. जानने की इच्छा अर्थात जिज्ञासा मनुष्य की मौलिक वृत्ति है. इस समय ऐसी कौन-सी मौलिक वृत्ति है, जिसके साथ छल नहीं हो रहा है? मुख्य-धारा की मीडिया का पिछले दिनों कैसा रुख और रुझान रहा है यह किसी से छिपा नहीं है. मतदान में भारी धांधली की आशंकाओं के बारे में लोग भी 'गंभीर चर्चा' करते रहे हैं. 'एग्जिट पोल'के अनुमानित परिणाम पर विश्वास की तो बात ही क्या! इस तरह के परिणाम वास्तविक गिनती के बाद भी सामने आते हैं तो लोग उस पर भी विश्वास नहीं करेंगे. वास्तविक परिणाम तो अब विमर्श को नया आयाम दे रहा है. तमाम तरह की प्रतिकूलताओं के बीच विपक्ष की राजनीति की सावधानियों और जनता के अधिकतम धैर्य के वातावरण में आम चुनाव 2024 लगभग शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ. यह चुनाव व्यापक स्तर पर देखा जाये तो संविधान, लोकतंत्र, न्याय, रोजगार, महंगाई के मुद्दों पर केंद्रित रहा. राम मंदिर में भगवान राम की प्राण-प्रतिष्ठा, हिंदू-मुसलमान, भारत की संस्कृति, प्रधानमंत्री की वैश्विक छवि जैसे मुद्दा सत्ताधारी दल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उठाने की बार-बार कोशिश की. बहुविध प्रयास के बावजूद आम जनता के जीवनयापन के वास्तविक मुद्दों को भावनात्मक मुद्दों की मरीचिकाओं में भटकाना बहुत संभव नहीं हुआ. विपक्षी गठबंधन (इंडिया अलायंस) के नेता गण ध्यान भटकाने की आशंकाओं को लेकर अतिरिक्त सावधान बने रहे. बड़ी बात यह है कि राहुल गांधी ने आम जनता के सामने बहुत कारगर तरीके से ध्यान बंटाने, भटकाने के लिए जेबकतरों की तरकीब का जैसा प्रदर्शन किया, वह लोगों के दिल और दिमाग में सफलतापूर्वक सक्रिय बना रहा. जीवनयापन के वास्तविक मुद्दों को भावनात्मक मुद्दों से भटकाने की सारी कोशिशें बे-असर साबित हुईं. हालांकि 'जन-भूमि' से लेकर 'तपो-भूमि' तक ये कोशिशें अंतिम क्षण तक जारी रहीं. भारत के लोकतंत्र के लिए सबसे दुखद है, भारतीय जनता पार्टी की आक्रामक राजनीति के कारण राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता का राजनीतिक दुश्मनी में बदलते चला जाना. हालांकि प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी बातचीत के दौरान राजनीतिक नेताओं और दलों के बीच में 'दुश्मनी' के न होने की बात भी कही. 'युद्धंदेहि' की माहौलबंदी के लिए की जानेवाली बयानबाजी को देखते हुए यह संतोषजनक बात लगी थी. संतोष के सहलाने पर भरोसा अभी आंख खोल ही रही थी कि नरेंद्र मोदी की तरफ से 'सात पीढ़ियों के पाप' का हिसाब सामने रख देने जैसा अति-क्रुद्ध बयान आ गया. किसकी 'सात पीढ़ियों के पाप'? कैसा पाप? क्या मतलब! इस बयान में विपक्ष के नेता के प्रति क्रोध भरी धमकी के अलावा भी कुछ है? शायद नहीं.

चाबहार परियोजना का रणनीतिक महत्व

• सामयिकी

गिरीश लिंगन्ना

> हाल ही में हुए समझौते के जवाब में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक चेतावनी जारी की है. उसने संकेत दिया कि अगर भारतीय कंपनी आईपीजीएल निवेश के साथ आगे बढ़ती है तो उसे प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है. अगस्त 2021 में अमेरिका के अफगानिस्तान छोड़ने के बाद से चाबहार पर अमेरिकी दृष्टिकोण बदल गये हैं.

भारत आज ईरान में लंबे समय से लंबित चाबहार बंदरगाह परियोजना को पुनर्जीवित करने के लिए काम कर रहा है. 13 मई को, इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (आईपीजीएल) और ईरान के बंदरगाह और समुद्री संगठन ने 10 साल के समझौते पर हस्ताक्षर किये. यह सौदा भारत को चाबहार बंदरगाह को विकसित करने और संचालित करने की अनुमति देता है. आईपीजीएल लगभग 120 मिलियन डॉलर का निवेश करेगा, जिसमें अतिरिक्त 250 मिलियन डॉलर का वित्तपोषण होगा, जिससे अनुबंध का कुल मूल्य 370 मिलियन डॉलर हो जायेगा. भारत, अफ़गानिस्तान और ईरान को जोड़ने वाला परिवहन और पारगमन मार्ग बनाने के लिए 'चाबहार समझौता' मूलरूप से मई 2016 में हुआ था. इस समझौते का उद्देश्य भारत, अफ़गानिस्तान और ईरान के बीच माल और यात्रियों को ले जाने के लिए बंदरगाह का उपयोग करना था. इससे अन्य देशों से माल और यात्रियों को आकर्षित करने की भी उम्मीद थी. उस समय ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी ने दिसंबर 2017 में चाबहार बंदरगाह के पहले चरण का शुभारंभ किया. आईपीजीएस ने 2018 के अंत में बंदरगाह संचालन का प्रबंधन शुरू किया. तब से, इसने 90,000 टीईयू (ट्वेंटी फुट इक्विवेलेंट यूनिट्स) से अधिक कंटेनर ट्रैफ़िक और 8.4 मिलियन टन से अधिक बल्क और सामान्य कार्गो को संभाला है. 2018 में, ट्रम्प प्रशासन ने एक छूट दी, जिसने चाबहार को अमेरिकी प्रतिबंधों से बाहर रखा, जिससे बंदरगाह का उपयोग अफ़गान पुनर्निर्माण प्रयासों का समर्थन करने के लिए किया जा सके. विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की 'दक्षिण एशिया रणनीति अफ़गानिस्तान की आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए हमारे निरंतर समर्थन को उजागर करती है, साथ ही भारत के साथ हमारी मजबूत साझेदारी भी', जैसा कि द डिप्लोमैट की एक रिपोर्ट में बताया गया है. अमेरिकी प्रवक्ता ने कहा कि यह अपवाद अफ़गानिस्तान के लिए पुनर्निर्माण सहायता और आर्थिक विकास से जुड़ा है, जो देश के विकास का समर्थन करने और मानवीय राहत प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण हैं. हाल ही में हुए समझौते के जवाब में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक चेतावनी जारी की है. उसने संकेत दिया कि अगर भारतीय कंपनी आईपीजीएल निवेश के साथ आगे बढ़ती है तो उसे प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है. अगस्त 2021 में अमेरिका के अफगानिस्तान छोड़ने के बाद से चाबहार पर अमेरिकी दृष्टिकोण बदल गये हैं. वाशिंगटन तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार को मान्यता देने की योजना नहीं बना रहा है, जिसने गणराज्य से सत्ता संभाली है और उसने तालिबान की प्रतिबंधात्मक नीतियों को बदलने की कोशिश करने के लिए वित्तीय दबाव का उपयोग करने की रणनीति लागू की है. भले ही यह रणनीति अब तक काम नहीं आई है, लेकिन चाबहार को तालिबान को लाभ पहुंचाने वाला एक प्रमुख व्यापार और पारगमन केंद्र बनाना अमेरिकी रणनीति के सफल होने की संभावनाओं को कमजोर कर सकता है. चाबहार भारत के अफगानिस्तान में अपनी उपस्थिति को फिर से स्थापित करने के बारे में भी है, ठीक उसी तरह जैसे उसने 2001 और 2021 के बीच गणतंत्र सरकार और अफगान लोगों के साथ मजबूत संबंध बनाये थे. 2016 के चाबहार समझौते का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पाकिस्तान के कराची और ग्वादर बंदरगाहों से बचते हुए भूमि से घिरे अफगानिस्तान को समुद्र तक पहुंच देना था. कई वर्षों से, पाकिस्तान ने अक्सर अफगानिस्तान के लिए अपनी सीमाओं को बंद कर दिया है, जिससे देश की समुद्र तक पहुंच अवरुद्ध हो गयी है और भारत और दक्षिण एशिया के साथ व्यापार और पारगमन में बाधा उत्पन्न हुई है. अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण संबंधों के कारण यह एक बार फिर प्रासंगिक हो गया है. अमेरिका के साथ बैक चैनल कूटनीति और मजबूत रणनीतिक संबंधों ने पहले भारत को रूस से एस-400 मिसाइल और तेल आयात करते समय अमेरिकी प्रतिबंधों को दरकिनार करने में सक्षम बनाया है. इस बार, नई दिल्ली को विश्वास है कि वह, जैसा कि भारतीय विदेश मंत्री ने कहा, चाबहार सौदे पर संयुक्त राज्य अमेरिका से 'संवाद कर सकता है, समझा सकता है और चुपचाप स्वीकृति प्राप्त कर सकता है', इसलिए आईपीजीएल को प्रतिबंधों का सामना नहीं करना पड़ेगा.

मीडिया में अन्यत्र

जलवायु परिवर्तन की चुनौती

मौसम के उतार-चढ़ाव की बढ़ती घटनाएं और देश के अधिकांश भागों में लू के थपेड़े हमें यह याद दिला रहे हैं कि जलवायु कितनी तेजी से बदल रही है और भारत जैसे देश पर इसका क्या असर हो सकता है. भारत अपने ऊर्जा मिश्रण में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए निवेश कर रहा है, लेकिन जलवायु परिवर्तन की समस्या को विकासशील देश अपने ही स्तर पर हल नहीं कर सकते हैं. ध्यान देने वाली बात है कि विकसित देशों ने विकासशील देशों को वित्तीय सहायता मुहैया कराने की प्रतिबद्धता भी जताई है. इस संदर्भ में आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन की एक नई रिपोर्ट इस बात को रेखांकित करती है कि वर्षों तक जलवायु वित्त प्रतिबद्धताओं के मामले में पिछड़ने के बाद विकसित देश आखिरकार 2022 में विकासशील देशों के लिए 115.9 अरब डॉलर की राशि जुटाने में कामयाब रहे, जो 100 अरब डॉलर के वार्षिक लक्ष्य से अधिक रही.यह लक्ष्य 2020 के लिए तय किया गया था, लेकिन दो वर्ष बाद यानी 2022 में इसे हासिल करने में कामयाबी मिली. इस वादे को पूरा करने में हुई देरी के कारण नाराजगी पैदा हुई और विकासशील देशों के मन में भविष्य की जलवायु फंडिंग के वादों को लेकर संदेह भी पैदा हुआ. ऐसे में तय लक्ष्य को पार करने को एक छोटा लेकिन अहम कदम बताया जा रहा है, जो विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से निपटने के क्रम में मजबूती प्रदान करेगा. वर्ष 2009 में कोपेनहेगन में आयोजित जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में विकसित देशों ने 2020 तक हर वर्ष 100 अरब डॉलर का फंड जुटाने की प्रतिबद्धता जताई थी. इसके बाद 2015 में पेरिस समझौते पर हस्ताक्षर के समय ये देश इस बात पर सहमत हुए कि 2025 तक मिलकर 100 अरब डॉलर की राशि जुटाई जाएगी और उसके बाद एक नया सामूहिक परिमाणित लक्ष्य तय किया जाएगा. यह नया लक्ष्य शायद इस वर्ष अजरबैजान में कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (COP29) में अपना लिया जाए.वर्ष 2022 में जो कुल राशि जुटाई गई, उसमें 80 फीसदी हिस्सेदारी सार्वजनिक जलवायु वित्त (द्विपक्षीय और बहुपक्षीय) की है. निजी जलवायु वित्त हाल के दिनों में तेजी से बढ़ा है लेकिन अभी भी यह सार्वजनिक स्रोतों से हासिल फंड की तुलना में काफी कम है. कुल जलवायु वित्त का करीब 60 फीसदी उत्सर्जन कम करने के उपायों पर केंद्रित है. खासतौर पर ऊर्जा और परिवहन क्षेत्र में. जलवायु अनुकूल उपायों को अपनाने के लिए जुटाई गई राशि काफी कम है. बहरहाल, अधिकांश सहयोग ऋण के रूप में है, न कि अनुदान और इक्विटी निवेश के रूप में. यह जलवायु न्याय की अवधारणा के खिलाफ है. जलवायु वित्त का अधिकांश हिस्सा चूंकि ऋण के रूप में है, इसलिए इसका बड़ा अंश गैर रियायती प्रकृति का है. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

उम्र/आयु/अवस्था

आपकी उम्र क्या है? कितने वर्षों की आयु में उनका देहावसान हुआ? उनकी अवस्था क्या है? जीवन-काल को समझने के लिए मुख्य रूप से तीन शब्दों का प्रयोग किया जाता है-उम्र, आयु और अवस्था. तीनों सामान्यतः एक ही अर्थ है, लेकिन प्रयोग की विधि और परंपरा के अनुसार तीनों में सूक्ष्म अंतर है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार उम्र अरबी भाषा मूल का संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. इसका मतलब है वय, अवस्था. जैसे कहा जाता है-इस बच्चे की उम्र पांच वर्ष है. आयु, सारा जीवन काल. जैसे कहा जाता है- उन्होंने सारी उम्र काम किया है. जन्म से लेकर अबतक का जीवन का या बीता हुआ जीवन काल. वह अवधि, जिसमें कोई वस्तु उपकरण आदि चालू हालत में या उपयोग में रहे. जैसे इस मशीन की उम्र 15 साल है. यानी यह मशीन 15 सालों तक चलेगी. आयु संस्कृत तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसी शब्दकोश में आयु का अर्थ इस प्रकार बताया गया है-उम्र, जीवन, जीवन काल, जीवन शक्ति, आयुष, एक यज्ञ. अवस्था भी तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है और इसका अर्थ है उम्र, आयु. शब्दकोश के अनुसार तीनों शब्दों का सामान्य अर्थ जीवन के संदर्भ में ही है और सामान्यतः तीनों में अंतर नहीं है. अवस्था किसी समय काल में किसी भी चीज़ की दशा, स्थिति या हालत आदि को प्रदर्शित करता है. अवस्था शब्द अव और स्था से बना है. 'अव' एक उपसर्ग है. इसका प्रयोग निश्चय, अनादर, निषेध, कमी, अभाव, ह्रास, बुरा, दूषित, संकल्प आदि के अर्थ को प्रदर्शित करने में किया जाता है. वहीं 'स्था' का अर्थ स्थिर होना या खड़ा होना आदि है. यानी अवस्था से किसी खास स्थिति में होने का भाव प्रकट होता है. आयु का मतलब आपका पूरा जीवन काल अर्थात आपके जन्म से लेकर मृत्यु तक का समय. उम्र मतलब आपके जन्म के वास्तव में कितने वर्ष हुए हैं. आयु और अवस्था दोनों संस्कृत मूल के हैं, जबकि उम्र मूलतः अरबी शब्द है.

अब ईवीएम मुक्ति हवन की तैयारी

• तीर-तुक्का

डॉ. विनोद सिंह गहरवार

लोकतंत्र के महानुष्ठान के उद्यापन के बाद चिंतानंद जी मेरे घर आए. चेहरे पर उतनी ही चिंता जितनी पहले दिखती थी. खैर नाम के अनुरूप काम होना चाहिए. चिंतानंद जी विशुद्ध संस्कारी पुरुष हैं. अपने नाम के अनुरूप आचरण करते हैं. आजकल इसका पालन लोग कहां कर रहे हैं. एक ही परिवार के दस- बीस लोग प्राइवेट कंपनी खोलकर अपना नाम समाजवादी रख लेते हैं. कुछ लोग शीशमहल में रहते हैं और अपने आपको आम आदमी कहते हैं. कुछ लोग उदात्त परंपरा और संस्कृति को निर्मूल कर अपने आपको तृणमूल कहते हैं. किस-किसका नाम गिनाएं? सबका हाल एक जैसा है. आंख का अंधा नाम नयन सुख. इसलिए मैं जब चिंतानंद जी से मिलता हूं तो भले और बातों से संतुष्ट रहूं या ना रहूं पर इस बात से संतुष्ट रहता हूं कि भले ही वे चिंतनशील नहीं हैं, पर चिंताशील तो हैं. टीवी चैनल पर मतगणना की खबर चल ही रही थी. इसी समय चिंतानंद जी धूमकेतु की भांति प्रकट हो गये. मैंने पूछा, " कहिये महात्मन! ऊंट किस करवट बैठेगा?" इस पर उन्होंने झट कहा," सवाल ऊंच का नहीं इवीएम का है. पूछिए वह किस करवट बैठेगी? क्योंकि छेड़छाड़ तो उसी के साथ होती है." मैंने कहा, " छेड़छाड़ होती ही है, इसका क्या प्रमाण है. जीत गये तो बल्ले-बल्ले, हार गये तो ईवीएम दोषी. यह तो बेचारी ईवीएम का चरित्र हनन हुआ न? इस पर चिंतानंदजी झुंझला कर बोले, "इसमें चरित्र हनन की बात नहीं है. सरकार के पास जैसे सीबीआई, ईडी, मीडिया आदि हैं, उसी तरह इवीएम भी है." मैंने कहा, "फिजूल की बातें छोड़ अच्छा होता आपलोग अपने घोषणापत्र पर चिंतन करते. आठ हजार रुपये हर बेरोजगार के खाते में कहां से लाकर देंगे? आप इसपर शोध करते. गरीबी मिटाओ जैसी पुस्तैनी नारे की जगह खटाखट-खटाखट कैसे रोजगार पैदा करेंगे, उसपर आत्ममंथन करते. चुनाव परिणाम के बाद क्या करना है, उस पर विमर्श करते." तब चिंतानंद मेरी बात काटते हुए बोले, " इसके लिए हम बैठक करने ही वाले हैं." मैंने कहा, "इससे क्या होगा?" देखिए तो एक वे हैं जो, चुनावी महापर्व के बाद समाधि के लिए कन्याकुमारी तक चले गये, एक आपलोग हैं, कोई जेल से निकलकर फिर जेल जा रहा है. कोई जेल जाने के कगार पर है तो कोई इंग्लैंड जाने वाला है, कोई बैंकाक और वह भी सारा दोष इवीएम के मत्थे मढ़कर." इतना सुनकर चिंतानंद जी उठकर खड़े हो गए. मैंने कहा, " एक कप चाय तो पी लीजिए!" "नहीं! नहीं! इसी चाय ने तो ईवीएम पर कब्जा जमा रखा है. हमें ईवीएम मुक्ति हवन यज्ञ करवाना है. मैं चला.. मतगणना के बाद अब यही उपाय शेष है..."

गाण्डेय से कल्पना सोरेन विजयी

आ गया जनादेश

झारखंड में चार चरणों में हुए शांतिपूर्ण मतदान के बाद मंगलवार को जनादेश भी आ गया. सुबह आठ बजे से अलग अलग केन्दों में शुरू हुए मतगणना के रुझान दस बजे तक आने लगे थे. दोपहर होते होते प्रत्याशियों के बीच हार-जीत का फांसला भी तय होना शुरु हो गया था. देर शाम तक मतदान के नतीजे भी सामने आने आ गए. इस बार झारखंड के संसदीय चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन पिछली बार की तुलना में थोड़ा फीका रहा. अनुमान के विपरीत भाजपा को कम सीटें मिली. वहीं इंडिया गठबंधन कई सीटों पर बाजी मार गया. राजनीति के जानकार इसे हाल के महीने में झारखंड में मची उथल पुथल का परिणाम मान रहे हैं.

गिरिडीह । गांडेय विधानसभा उपचुनाव में झामुमो की प्रत्याशी पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन चुनाव जीत गई हैं. उन्होंने बीजेपी के प्रत्याशी दिलीप वर्मा को 27,149 मतों से पराजित किया. इस उपचुनाव में कल्पना सोरेन को 1,09,827 वोट मिले, वहीं दिलीप वर्मा को 82,678 वोट मिले. चुनाव जीतने के बाद कल्पना सोरेन ने मतगणना स्थल पर जाकर जीत का प्रमाण पत्र लिया. मौके पर मंत्री हफीजुल हसन, राज्यसभा सांसद डॉ सरफराज अहमद, विधायक सुदिव्य कुमार सोनू सहित कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे.

झारखंड की 14 लोकसभा सीटें : जानिए किस प्रत्याशी को कितने वोट मिले

प्रत्याशी	राजनीतिक दल	वोट
राजमहल लोकसभा		
गोपिन सोरेन	सीपीआई (एम)	37107
ताला मरांडी	भाजपा	429807
मरियम मरांडी	बहुजन समाज पार्टी	8207
विजय कुमार हांसदा	झामुमो	605994
अजीत मरांडी	राष्ट्रीय जनसंभावना पार्टी	11214
खलीफा किस्कू	पिपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया	4077
पॉल सोरेन	एआईएमआईएम	7844
मुंशी किस्कू	नवयुग प्रगतिशील मोर्चा	2767
लीली हांसदा	समाता पार्टी	2678
विनोद कुमार मंडल	लोकहित अधिकार पार्टी	3768
दीपा टुडू	निर्दलीय	6828
महेश पहाड़िया	निर्दलीय	14896
लोबिन हेंब्रम	निर्दलीय	41553
सेबेस्टिन हेंब्रम	निर्दलीय	9477
दुमका लोकसभा		
नलिन सोरेन	झामुमो	547370
परेश मरांडी	बहुजन समाज पार्टी	7733
सीता मुर्मू	भाजपा	524843
अनिल टुडू	लोकहित अधिकार पार्टी	6818
अलेश हांसदा	इंडियन नेशनल सोशलिस्टिक एक्शन फोर्सेस	1674
जोनाथन मार्डी	पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया	1651
मुन्नी हांसदा	समता पार्टी	1758
राजू एमानुएल मुर्मू	अंबेडकर पार्टी ऑफ इंडिया	3060
राजेश किस्कू	कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया	11506
कमिश्नर मुर्मू	निर्दलीय	2516
निर्मल सोरेन	निर्दलीय	1713
बघराई सोरेन	निर्दलीय	2253
बिरेन मोहली	निर्दलीय	4418
बेबीलता टुडू	निर्दलीय	19360
मनोज हेंब्रम	निर्दलीय	4816
महाशन मुर्मू	निर्दलीय	21372
डॉ श्रीलाल किस्कू	निर्दलीय	9416
संजय टुडू	निर्दलीय	2174
सुशांति हेंब्रम	निर्दलीय	5152
गोड्डा लोकसभा		
निशिकांत दुबे	भाजपा	693140
प्रदीप यादव	कांग्रेस	591327
बजरंगी महता	बहुजन समाज पार्टी	8175
अनूप कुमार	प्राउटिस्ट ब्लॉक, इंडिया	2007
अरुण कुमार	न्याय धर्म सभा	2893
कालीपदा मुर्मू	सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया	1941
कुमारी दिलेश्वरी	अंबेडकर पार्टी ऑफ इंडिया	6581
केतन कुमार	राइट टू रिकॉल पार्टी	1898
ज्ञानेश्वर झा	जागरूक जनता पार्टी	1640
तिपलाल साह	लोकहित अधिकार पार्टी	1770
ब्रजकिशोर पंडित	एबीएमवीएमपी	2108
रामेश्वर मंडल	पिपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया	3316
सूरज कुमार अमन	भागीदारी पार्टी (पी)	3073
अभिषेक आनंद झा	निर्दलीय	9636
अरुण मारिक	निर्दलीय	17437
उदय शंकर खवारे	निर्दलीय	26837
निलेश कुमार गुप्ता	निर्दलीय	10488
मुकेश कुमार झा	निर्दलीय	7366
डॉ के रंगाइय	निर्दलीय	2210
रांची लोकसभा से 27 उम्मीदवार		
मनोज कुमार	बहुजन समाज पार्टी	6250
यशस्विनी सहाय	कांग्रेस	521582
संजय सेठ	भारतीय जनता पार्टी	640698
धनंजय भगत 'गांधी'	मेरा अधिकार राष्ट्रीय दल	6683
धर्मेंद्र तिवारी	भारतीय जनतंत्र मोर्चा	3014
निपु सिंह	राष्ट्रीय जनसंघर्ष स्वराज पार्टी	7724
पंकज कुमार रवि	पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया	2705
प्रवीण कच्छप	सम्पूर्ण भारत क्रांति पार्टी	2810
बिनोद उरांव	बहुजन मुक्ति पार्टी	2486
बिरेंद्र नाथ मांझी	अबुआ झारखंड पार्टी	3079
मिंटू पासवान	सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया	2121
रंजना गिरि	रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए)	3151
रामहरि गोप	अंबेडकराइट पार्टी ऑफ इंडिया	6206
श्याम बिहारी प्रजापति	भागीदारी पार्टी	6435
सर्वेश्वरी साहू	एकम सनातन भारत दल	4683
सोमा सिं	जय महाभारत पार्टी	10178
हरिनाथ साहू	लोक अधिकार पार्टी	4056
हेमंती देवी	समता पार्टी	3973
अरसद अयूब	निर्दलीय	5294
अंजनी पांडे	निर्दलीय	1380
ऐनुल अंसारी	निर्दलीय	2501
कामेश्वर प्रसाद साव	निर्दलीय	1614
कोलेश्वर महतो	निर्दलीय	1681
देवेंद्र नाथ महतो	निर्दलीय	129298
प्रबीण चन्द्र महतो	निर्दलीय	2813
मनोरंजन भट्टाचार्य	निर्दलीय	2493
संतोष कुमार जायसवाल	निर्दलीय	2721
गिरिडीह से 16 लोकसभा प्रत्याशी		
कमल प्रसाद	बहुजन समाज पार्टी	14074
चंद्र प्रकाश चौधरी	आजसू पार्टी	451139
मथुरा प्रसाद महतो	झारखंड मुक्ति मोर्चा	370259
मो. ऐनुल अंसारी	बहुजन मुक्ति पार्टी	6939
ज्ञानेश्वर प्रसाद	लोकहित अधिकार पार्टी	5356
पप्पू कुमार निषाद	भारतीय लोकमत राष्ट्रवादी पार्टी	3216
प्रमोद राम	पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया	3825
शिवजी प्रसाद	राइट टु रिकॉल पार्टी	4254
सुभाष कुमार ठाकुर	सर्व समाज पार्टी	2517
उषा सिंह	निर्दलीय	3761
कलावती देवी	निर्दलीय	5430
जयराम कुमार महतो	निर्दलीय	347322
द्वारका प्रसाद लाला	निर्दलीय	5627
रामेश्वर दुसाध	निर्दलीय	11020
सुनीता टुडू	निर्दलीय	10944
सुबोध कुमार यादव	निर्दलीय	13106
धनबाद लोकसभा से 25 प्रत्याशी		
अनुपमा सिंह	इंडियन नेशनल कांग्रेस	452358
ढुल्लू महतो	भारतीय जनता पार्टी	782423
मोहन सिंह	बहुजन समाज पार्टी	5594
अकबर अली	अखिल भारतीय परिवार पार्टी	3031
कृष्ण चंद्र सिंह राज	समता पार्टी	2818
दीपक कुमार दास	पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया	1720
परवेज नैयर	आजाद समाज पार्टी (कांशी राम)	1157
राजीव तिवारी	सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया	1810
रेजाउल हक	लोकहित अधिकार पार्टी	2642
संजय कुमार गिरी	अखिल भारत हिन्दू महासभा	1617
अनिंदिता दास	निर्दलीय	2655
मो. इकलाख अंसारी	निर्दलीय	78885
उमेश पासवान	निर्दलीय	2554
कामेश्वर प्रसाद वर्मा	निर्दलीय	4002
जगदीश रवानी	निर्दलीय	27498
जनक साह गोंड	निर्दलीय	12759
मो. जहिरुद्दीन खान	निर्दलीय	6501
तुलसी महतो	निर्दलीय	5372
त्रिदेव कुमार महतो	निर्दलीय	1126
निताई दत्ता	निर्दलीय	1694
प्रेम प्रकाश पासवान	निर्दलीय	516
मोहम्मद ताफाजुल हुसैन	निर्दलीय	682
मोहम्मद फैजल खान	निर्दलीय	1994
लक्ष्मी देवी	निर्दलीय	2600
सुनैना किन्नर	निर्दलीय	3430
जमशेदपुर लोकसभा से 25 प्रत्याशी		
प्रणव कुमार महतो	बहुजन समाज पार्टी	6051
विद्युत वरण महतो	भारतीय जनता पार्टी	718802
समीर कुमार महांती	झारखंड मुक्ति मोर्चा	451217
आनंद महतो	आमरा बंगाली	4833
अरुण कुमार वर्मा	भारतीय आजाद सेना	1782
अशोक कुमार	पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया	2028
डोमन चंद्र भकत	भागीदारी पार्टी (पी)	1334
धार्मू टुडू	अंबेडकर पार्टी ऑफ इंडिया	3243
मनोज गुप्ता	लोकहित अधिकार पार्टी	2339
महेश कुमार	राइट टु रिकॉल पार्टी	1941
शेख आखिरउद्दीन	बहुजन महा पार्टी	2074
सनका महतो	सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया	3122
सुकुमार सोरेन	भारत आदिवासी पार्टी	3830
अरुण महतो	निर्दलीय	7271
आनंद मुखी	निर्दलीय	6321
इन्द्र देव प्रसाद	निर्दलीय	8398
जी जयराम दास	दलीय	1913
जितेंद्र सिंह	निर्दलीय	3155
जुझार सोरेन	निर्दलीय	4192
ज्ञान सागर प्रसाद	निर्दलीय	1030
पार्वती किस्कू	निर्दलीय	961
बब्लू प्रसाद दांगी	निर्दलीय	1131
विश्वनाथ महतो	निर्दलीय	5212
साधु चरण पाल	निर्दलीय	2269
सौरभ विष्णु	निर्दलीय	2223
चतरा लोकसभा से प्रत्याशी		
महेश बांडो	बहुजन मुक्ति पार्टी	3159
लव कुमार पंडित	भागीदारी पार्टी	2371
दुलेश्वर साव	भारतीय जवान किसान पार्टी	2375
कालीचरण सिंह	भाजपा	568912
कृष्णानंद त्रिपाठी	कांग्रेस	348110
अर्जुन कुमार	भाकपा	14062
नागमणि	बसपा	11792
योगेश कुमार सिंह	झारखंड पार्टी	5111
विक्रांत कुमार सिंह	निर्दलीय	2289
अमित कुमार सिंह	निर्दलीय	31961
अर्जुन प्रजापति	निर्दलीय	13332
विमल लकड़ा	अंबेडकराइट पार्टी ऑफ इंडिया	4981
सुमित कुमार यादव	समाटा पार्टी	3497
डॉ अभिषेक कुमार सिंह	निर्दलीय	14038
संजय कुमार स्नेही	लोक अधिकार पार्टी	3205
श्रीराम सिंह	निर्दलीय	2990
चंदन कुमार	निर्दलीय	6574
कर्मलाल उरांव	पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया	3968
कामदेव डीहो राणा	राष्ट्रीय जन उत्कर्ष पार्टी	3968
दर्शन गंझु	झारखंड पार्टी	2718
दीपक कुमार गुप्ता	निर्दलीय	12384
जयप्रकाश सिंह भोगता	निर्दलीय	----
मोहम्मद अबुजर खान	निर्दलीय	5825
हजारीबाग लोकसभा से प्रत्याशी		
संजय कुमार मेहता	निर्दलीय	156298
जय प्रकाश भाई पटेल	इंडियन नेशनल कांग्रेस	371641
राजकुमार दल	झारखंड पार्टी	1885
श्याम बिहारी प्रजापति	भागीदारी पार्टी (पी)	1818
कुंज बिहारी कुमार	लोकहित अधिकार पार्टी	4220
मनोज कुमार बेदिया	निर्दलीय	2559
मनीष कुमार जायसवाल	भारतीय जनता पार्टी	647416
छठी देवी	अखिल भारतीय परिवार पार्टी	3296
भुनेश्वर बेदिया	समता पार्टी	2236
विनोद कुमार राणा	निर्दलीय	4831
निशांत कुमार सिन्हा	पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया, डेमोक्रेटिक	3932
अनिरुद्ध कुमार	कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया	10428
शशि भूषण केसरी	निर्दलीय	15373
मोहम्मद मोइनउद्दीन अहमद	बहुजन समाज पार्टी, बीएसपी	7395
मोहम्मद सिराज	निर्दलीय	5503
अभिषेक कुमार	निर्दलीय	2963
प्रकाश सोनी	भारतीय आजाद सेना	1209
कोडरमा लोकसभा से प्रत्याशी		
अन्नपूर्णा देवी	भाजपा	787185
विनोद कुमार सिंह	भाकपा माले	410945
प्रो. जयप्रकाश वर्मा	आईएनडी	22843
जयनारायण दास	बीएमपी	6701
मनोज कुमार	आईएनडी	28310
राजेश	आईएनडी	4230
रामेश्वर	-----	00000000
सीटन रविदास	बीएसपी	13067
मो. सगीर	आईएनडी	5041
रामेश्वर प्रसाद यादव	आईएनडी	4227
सुरेंद्र कुमार	आईएनडी	6946
जीतलाल किस्कू	आईएनडी	5299
तौहिद अंसारी	-----	00000000
अजय कृष्णा	एमएसपी	4526
शहादत अंसारी	आईएनडी	8317
आशीष कुमार	आरटीआरपी	2892
अक्लेश्वर साव	लोखप	5574
सिंहभूम लोकसभा में 14 प्रत्याशी		
दामोदर सिंह हांसदा	निर्दलीय	43838
बिसवा विजय मार्डी	अंबेडकराइट पार्टी ऑफ इंडिया	3067
सुधा रानी बेसरा	पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया	2398
परदेशी लाल मुंडा	बहुजन समाज पार्टी	8708
दुर्गा लाल मुर्मू	निर्दलीय	4912
माधव चंद्रा कुनकल	निर्दलीय	19729
जोबा माझी	जेएमएम	515989
चित्रसेन सिंकु	झारखंड पार्टी	3188
बीर सिंह देवगम	राइट टू रिकॉल पार्टी	1919
गीता कोड़ा	बीजेपी	349006
पनमनी सिंह	सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया	1793
संग्राम मार्डी	निर्दलीय	16097
आशा कुमारी	निर्दलीय	2736
कृष्णा मार्डी	झारखंड मुक्ति मोर्चा	2597
खूंटी लोकसभा से 7 प्रत्याशी		
अर्पणा हंस	झारखंड पार्टी	8532
बसंत कुमार लोंगा	निर्दलीय	10755
अर्जुन मुंडा	बीजेपी	361972
काली चरण मुंडा	कांग्रेस	511647
बबीता कच्छप	भारत आदिवासी पार्टी	4594
पस्तर संजय कुमार तिर्की	निर्दलीय	4963
सावित्री देवी	बहुजन समाज पार्टी	12300
लोहरदगा लोकसभा से 15 प्रत्याशी		
महेंद्र उरांव	कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया	15243
चमरा लिंडा	निर्दलीय	41420
रामचंद्र भगत	लोकहित अधिकार पार्टी	3894
समीर उरांव	बीजेपी	308858
स्टेफ़न किंडो	निर्दलीय	6775
बिहारी भगत	पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया	6805
सनिया उरांव	निर्दलीय	9683
मैरिएनस तिग्गा	निर्दलीय	8447
पवन तिग्गा	निर्दलीय	3391
मनी मुंडा	भागीदारी पार्टी (पी)	2209
सुखदेव भगत	कांग्रेस	435873
अर्जुन टोप्पो	आजाद समाज पार्टी (कांशी राम)	2438
गिरजानंद उरांव	बहुजन समाज पार्टी	8157
रंजीत भगत	निर्दलीय	4968
अर्पण देव भगत	निर्दलीय	2557
पलामू लोकसभा से 9 प्रत्याशी		
विष्णु दयाल राम	बीजेपी	770362
ममता भुइयां	राजद	481555
महेंद्र बैठा	सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया	5115
वृंदा राम	पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया	11270
कामेश्वर बैठा	बहुजन समाज पार्टी	40000
सनम राम	लोकहित अधिकार पार्टी	17875
राम वचन राम	बहुजन मुक्ति पार्टी	4953
गणेश रवि	निर्दलीय	17699
ब्रजेश कुमार तुरी	राष्ट्रीय समानता दल	17566
गांडेय विधानसभा उपचुनाव के प्रत्याशी		
कल्पना मुर्मू सोरेन	झामुमो	106406
मो. सईद आलम	निर्दलीय	1814
अवधेश कुमार सिंह	निर्दलीय	1117
दिलीप कुमार वर्मा	भाजपा	81958
मो. शब्बीर अंसारी	निर्दलीय	735
इंतेखाब अंसारी	एआईएमआईएम	4433
मो. कौसर आजाद	निर्दलीय	1987
ताहिर अंसारी	राष्ट्रीय समानता दल	1014
शहादत अंसारी	निर्दलीय	1056
अर्जुन बैठा	निर्दलीय	6892
गुलाब प्रसाद वर्मा	निर्दलीय	782

झारखंड से 2019 में जीत दर्ज करने वाले नेता

सीट	प्रत्याशी	पार्टी
चतरा	सुनील कुमार सिंह	भाजपा
धनबाद	पीएन सिंह	भाजपा
दुमका	सुनील सोरेन	भाजपा
गिरिडीह	चंद्रप्रकाश चौधरी	आजसू
गोड्डा	निशिकांत दूबे	भाजपा
हजारीबाग	जयंत सिन्हा	भाजपा
जमशेदपुर	विद्युत वरण महतो	भाजपा
खूंटी	अर्जुन मुंडा	भाजपा
कोडरमा	अन्नपूर्णा देवी	भाजपा
लोहरदगा	सुदर्शन भगत	भाजपा
पलामू	बीडी राम	भाजपा
राजमहल	विजय हांसदा	झामुमो
रांची	संजय सेठ	भाजपा
चाईबासा	गीता कोड़ा	कांग्रेस

भारत के पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद कैफ ने बताया भारत को सबसे बड़ा खतरा फखर जमां से है

पाकिस्तान की टीम कुछ मैच विनर खिलाड़ियों को छोड़कर 'कमजोर'

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत और पाकिस्तान 9 जून को न्यूयॉर्क में चल रहे टी20 विश्व कप 2024 में एक बार फिर ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता करेंगे. दोनों टीमों के बीच पिछले दो टी20 विश्व कप मुकाबलों में दोनों पक्षों ने जीत दर्ज की है. पाकिस्तान ने 2021 टी20 विश्व कप में भारत को 10 विकेट से हराया था, जबकि रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने एक साल बाद ऑस्ट्रेलिया में चार विकेट से जीत दर्ज करके बदला ले लिया. दोनों टीमें पिछले साल वनडे विश्व कप में भी भिड़ी थीं और भारत ने उस मैच में भी जीत दर्ज की थी.

भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबलों को लेकर हमेशा ही कुछ न कुछ चर्चा होती रहती है, लेकिन इस बार भारत के पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद कैफ ने इस ब्लॉकबस्टर मैच को लेकर हो रही चर्चा को कमतर आंका है. कैफ के अनुसार, इस बार पाकिस्तान की टीम कुछ मैच विनर खिलाड़ियों को छोड़कर 'कमजोर' है. कैफ ने एक चर्चा के दौरान कहा- हर कोई जानता है कि पाकिस्तान की बल्लेबाजी कमजोर है. फखर जमां थोड़ा तेज खेलते हैं. अगर वह अच्छा खेलते हैं तो शायद वह अकेले मैच जीत सकते हैं. इफ्तिखार अहमद तेज खेलते हैं, लेकिन इसके अलावा हर कोई 120 से 125 की स्ट्राइक रेट से खेलता है. आप उनकी बल्लेबाजी से नहीं बल्कि उनकी गेंदबाजी से डरते हैं.

मोहम्मद कैफ

भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), संजू सैमसन (विकेट कीपर), शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल , अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज
रिजर्व : शुभमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद और आवेश खान

पाकिस्तान टीम

बाबर आजम (कप्तान), अबरार अहमद, आजम खान, फखर जमां, हारिस रऊफ, इफ्तिखार अहमद, इमाद वसीम, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद आमिर, मोहम्मद रिजवान, नसीम शाह, सैम अयूब, शादाब खान, शाहीन शाह अफरीदी, उस्मान खान.

कैफ ने हालांकि भारत को पाकिस्तान के तेज गेंदबाज नसीम शाह पर नजर रखने की चेतावनी दी, जिन्होंने पिछले टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान के लिए शानदार प्रदर्शन किया था. उन्होंने कहा- उनके पास शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह होंगे. नसीम शाह भारत में विश्व कप खेलने नहीं आए थे. वह चोटिल हो गए थे, लेकिन वह यहां फिट हैं. यह उछाल वाली पिच होगी. नसीम शाह बहुत अच्छे गेंदबाज हैं. अगर आप मेलबर्न मैच की बात करें, जिसमें विराट कोहली ने जीत में अहम भूमिका निभाई थी. अगर आप नसीम शाह का पहला स्पैल देखें तो एक कैच स्लिप में छूट गया था.

इंडोनेशिया ओपन

लक्ष्य सेन दूसरे दौर में पहुंचे

जकार्ता। एजेंसी

भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने जापान के केंटा सुनेयामा को हराकर इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया . सेन ने 40 मिनट के भीतर 21 . 12, 21 . 17 से जीत दर्ज की . फ्रेंच ओपन और आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचकर ओलंपिक क्वालीफिकेशन हासिल करने वाले सेन का सामना अब इंडोनेशिया के सातवीं वरीयता प्राप्त एंथोनी सिनिसुका गिंटिंग और जापान के केंटा निशिमोतो के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा . भारत के किरण जॉर्ज को चीन के हांग यांग वेंग के हाथों 21 . 11, 10 . 21, 20 . 22 से पराजय झेलनी पड़ी . मिश्रित युगल में भारत के बी सुमीत रेड्डी और सिक्की रेड्डी ने अमेरिका के विंसन चियू और जेनी गेइ को 18 . 21, 21 . 16, 21 . 17 से हराया . अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के सि वेइ झेंग और कियोंग हुआंग तथा इंडोनेशिया के रेहान नौफाल कुशारजांतो और लिसा आयु कुसुमवती के बीच होने वाले मैच की विजेता जोड़ी से होगा .

ब्रीफ खबरें

अर्जुन फिडे रेटिंग में विश्व में शीर्ष पांच में

नयी दिल्ली। ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने फ्रेंच टीम शतरंज चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करके फिडे रेटिंग में पांचवां स्थान हासिल कर लिया और लाइव रेटिंग में वह सर्वोच्च रैंकिंग वाले भारतीय हैं .अर्जुन के ईएलओ रेटिंग अंक 2769 . 7 हैं और उन्होंने इसमें 8 . 7 अंक का इजाफा किया है. उनसे आगे नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन,अमेरिका के हिकारू नकामूरा और फेबियानो कारूआना और रूस के इयान नेपोम्नियाश्चि हैं.

शतरंज : प्रज्ञानानंदा ने लिरेन को हराया

स्टावेंजर (नॉर्वे)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने विश्व चैम्पियन डिंग लिरेन के खिलाफ आर्मगेडोन पर मिली हार का बदला चुकता करते हुए नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के सातवें दौर में जीत दर्ज की हालांकि इससे पहले चीनी खिलाड़ी ने मजबूत स्थिति में पहुंचकर खुद गलतियां की थी जो उन पर भारी पड़ी . पहला मुकाबला ड्रॉ रहा और प्रज्ञानानंदा ने आर्मागेडोन में बाजी मारी . नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन ने अमेरिका के हिकारू नकामूरा के खिलाफ धीमी शुरूआत की और आर्मागेडोन में हार गए.

नोवाक जोकोविच ने किया क्वार्टर फाइनल में प्रवेश

पेरिस। दाहिने घुटने के दर्द से जूझने के बावजूद नोवाक जोकोविच ने अपने से युवा प्रतिद्वंद्वी को साढे चार घंटे तक चले मुकाबले में पांच सेटों में हराकर फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया . दूसरे सेट की शुरूआत में जोकोविच पीठ के बल लेट गए थे और लग रहा था कि उन्हें मुकाबला छोड़ना होगा लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए 23वीं रैंकिंग वाले फ्रांसिस्को सेरूंडोलो को 6 . 1, 5 . 7, 3 . 6, 7 . 5, 6 . 3 से हराया.

म्यूनिख विश्व कप में ईशा छठे स्थान पर

म्यूनिख। निशानेबाज ईशा सिंह म्यूनिख में चल रहे आईएसएसएफ विश्व कप की महिला 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में छठे स्थान पर रहीं जिससे प्रतियोगिता में भारत का पहले पदक का इंतजार जारी रहा. ईशा ने फाइनल में 20 अंक जुटाए. फ्रांस की कैमिली जेद्रेवस्की ने स्वर्ण पदक जीता.कैमिली ने खिताब की दौड़ में जर्मनी की डोरीन वेनेकैंप को पछाड़ा. विजेता का फैसला करने के लिए दो शूट ऑफ का सहारा लेना पड़ा. दोनों निशानेबाज 10 सीरीज के बाद 40 अंक के साथ बराबर थीं.

अफगानिस्तान ने की टी-20 विश्व कप में चौथी बड़ी जीत दर्ज

अफगानिस्तान ने युगांडा को 125 रनों से हराया

एजेंसी। प्रोविडेंस (गुयाना)

तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी के पांच विकेट और रहमानुल्लाह गुरबाज तथा इब्राहिम जदरान के बीच पहले विकेट की शतकीय साझेदारी की मदद से अफगानिस्तान ने टी20 विश्व कप के पहले मैच में युगांडा को 125 रन से हराया. कोलकाता नाइट राइडर्स के सलामी बल्लेबाज गुरबाज ने 45 गेंद में 76 रन बनाये, जबकि जदरान ने 46 गेंद में 70 रन की पारी खेली . दोनों ने पुरूषों के टी20 विश्व कप में पहले विकेट के लिये सर्वोच्च 154 रन की साझेदारी की जिसकी मदद से अफगानिस्तान ने पांच विकेट पर 183 रन बनाये.

बायें हाथ के तेज गेंदबाज फारूकी ने चार ओवर में नौ रन देकर पांच विकेट लिये. विश्व कप में पहली बार उतरी युगांडा की टीम 16 ओवर में 58 रन पर आउट हो गई. फारूकी दो बार हैट्रिक लेने के करीब पहुंचे थे. पहली गेंद पर चौका पड़ने के बाद उन्होंने बेहतरीन इनस्विंगर पर रौनक पटेल को आउट किया. इसके बाद रोजर मुकासा पगबाधा आउट हो गए. आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिये खेल चुके फारूकी ने 13वें ओवर में तीन और विकेट लेकर टी20 क्रिकेट में कैरियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया. उन्होंने रियाजत अली शाह को बोल्ड किया और युगांडा के कप्तान ब्रायन मसाबा को गुरबाज के हाथों लपकवाया . वह हैट्रिक से चूक गए लेकिन ओवर की आखिरी गेंद पर एक और विकेट लिया . इससे पहले अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाजों ने आक्रामक शुरूआत की . गुरबाज ने पारी की दूसरी ही गेंद पर छक्का जड़ा . जदरान ने दिनेश नकरानी के छठे ओवर में लगातार चार चौके लगाये . पावरप्ले के आखिर में अफगानस्तान ने 11 रन प्रति ओवर की दर से रन बना डाले थे. गुरबाज ने चार चौके और चार छक्के लगाये और अपना अर्धशतक सिर्फ 28 गेंद में पूरा किया. जदरान ने नौ चौके और एक छक्का जड़ा . ऐसा लग रहा था कि दोनों पूरे 20 ओवर खेल जायेंगे लेकिन युगांडा के गेंदबाजों ने वापसी की और उन्हें 200 रन के भीतर रोक दिया . अफगानिस्तान का सामना अब न्यूजीलैंड से होगा .

स्कोर बोर्ड
अफगानिस्तान: 183/5
युगांडा: 58/10

फारूकी का शानदार प्रदर्शन

अफगानिस्तान के लिए फजल हक फारूकी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट झटके . इसी के साथ फजलहक अफगानिस्तान के लिए टी–20 में किसी मैच में पांच विकेट लेने वाले पांचवें गेंदबाज बन गए . उनसे पहले राशिद खान, करीम जनत, समिउल्लाह शिनवारी और मुजीब उर रहमान ऐसा कर चुके है . फारूकी का यह प्रदर्शन अफगानिस्तान के लिए टी–20 में किसी गेंदबाज का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है . फारूकी ने अपनी स्पैल में सिर्फ नौ रन दिए .

खास बातें

- बाएं हाथ के गेंदबाज फारूकी ने पांच विकेट चटकाये
- आईपीएल में हैदराबाद के लिये खेल चुके हैं फारूकी

पुरुष टी20 विश्व कप का न्यूनतम स्कोर

- 39 नीदरलैंड बनाम श्रीलंका 2014
- 44 नीदरलैंड बनाम श्रीलंका 2021
- 55 वेस्टइंडीज बनाम इंग्लैंड 2021
- 58 युगांडा बनाम अफगानिस्तान 2024
- 60 न्यूजीलैंड बनाम श्रीलंका 2014

टी20 में अफगानिस्तान के 5 विकेट लेने वाले गेंदबाज

- 5/3 राशिद खान आयरलैंड 2017
- 5/9 फजलहक फारूकी युगांडा 2024
- 5/11 करीम जनत वेस्टइंडीज 2019

युगांडा ने टी20 विश्व कप का चौथा न्यूनतम स्कोर बनाया

युगांडा का विश्व कप में यह पहला ही मैच था और टीम प्रभावित करने में पूरी तरह नाकाम रही . युगांडा ने पुरुष टी20 विश्व कप का चौथा न्यूनतम स्कोर बनाया . नीदरलैंड के नाम इस वैश्विक टूर्नामेंट में सबसे कम स्कोर बनाने का रिकॉर्ड दर्ज है . लक्ष्य का पीछा करने उतरी युगांडा की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने पहले ही ओवर में दो विकेट गंवा दिए . युगांडा की टीम अंत तक इन झटकों से उबर नहीं सकी और उसे हार का सामना करना पड़ा .

गेंदबाजी कोच के रूप ब्रावो को शामिल करना शानदार कदम: ट्रॉट

एजेंसी। प्रोविडेंस (गयाना)

अफगानिस्तान के मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट ने मंगलवार को कहा कि मौजूदा टी-20 विश्व कप के लिए ड्वेन ब्रावो को गेंदबाजी कोच के रूप में टीम के साथ जोड़ना काफी अच्छा रहा क्योंकि वेस्टइंडीज के इस पूर्व क्रिकेटर ने उनका काम आसान कर दिया. बाएं हाथ के तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी के नौ रन पर पांच विकेट के अलावा रहमानुल्लाह गुरबाज (76) और इब्राहिम जादरान (70) के अर्धशतक और दोनों के बीच पहले विकेट की ठोस सोझदारी से अफगानिस्तान ने युगांडा को यहां 125 रन से हराया.

अफगानिस्तान की जीत के बाद मीडिया से बात करते हुए ट्रॉट ने ब्रावो को श्रेय दिया जो उनके अनुसार टीम के गेंदबाजों के रवैये में बदलाव लाए. ट्रॉट ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'डीजे (ड्वेन ब्रावो) का टीम से जुड़ना शानदार रहा. खिलाड़ी के रूप में काफी अनुभव रखने वाले बेहतरीन कोच का होना (बहुत बढ़िया है) जबकि इस प्रारूप में उसे फ्रेंचाइजी क्रिकेट का भी काफी अनुभव है. कहा कि उनके जैसे खिलाड़ी के कोच के रूप में टीम से जुड़ने से आपका काम बहुत आसान हो जाता है और इससे इससे कोचिंग भी बेहतर होती है, विशेषकर गेंदबाजों के साथ. युगांडा की टीम 16 ओवर में 58 रन पर आउट हो गई. टीम भले ही अपने पहले टी-20 विश्व कप मैच में हार गई हो लेकिन कप्तान ब्रायन मसाबा सकारात्मक पहलुओं पर ज्यादा ध्यान केंद्रित कर रहे थे. मसाबा ने कहा, 'हमारे लिए बहुत खास पल, अपना राष्ट्रगान सुनना और विश्व कप में अपना झंडा देखना.

पिछले एक दशक में अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हूं : पैट कमिंस

ब्रिजटाउन । आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग में सफलता के बाद वह टी-20 विश्व कप में पिछले एक दशक में अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में है. कमिंस शनिवार को ब्रिजटाउन पहुंचे . उनकी कप्तानी में सनराइजर्स हैदराबाद आईपीएल में फाइनल तक पहुंची थी .कमिंस ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा ,' शायद मैं दस साल में अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हूं .' आस्ट्रेलिया के टेस्ट और वनडे कप्तान कमिंस ने कभी वेस्टइंडीज में नहीं खेला है. उन्हें आईपीएल के अपने अनुभव के दम पर अच्छे प्रदर्शन का यकीन है . उन्होंने कहा ,' हमने आईपीएल में लगातार 17 मैच खेले. टी-20 क्रिकेट में दूसरे प्रारूपों की तुलना में सटीक यॉर्कर या धीमी गेंदों की अधिक जरूरत होती है और मैने इस प्रारूप में अच्छी गेंदबाजी की है.' उन्होंने कहा ,' टी-20 गेंदबाजी में आपके गेंद डालने का सीक्वेंस सोचकर रखना अहम होता है.

विहारी को एसीए से अनापत्ति प्रमाण पत्र मिला

नयी दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज हनुमा विहारी को राज्य संघ से मतभेद के बाद आखिरकार आंध्र क्रिकेट संघ (एसीए) से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिल गया.मार्च में इस टेस्ट क्रिकेटर ने संघ पर उन्हें कप्तानी से हटाने का आरोप लगाया था और राज्य के लिए फिर से नहीं खेलने की बात कही थी जिसके बाद एसीए ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था. एक्स पर एक पोस्ट में विहारी ने लिखा कि वह पिछले दो महीनों से एनओसी मांग रहे थे और अंततः सोमवार को उन्हें यह मिल गया. घरेलू क्रिकेट में दूसरे राज्यों से खेलने के लिए एक खिलाड़ी को अपने घरेलू संघ से एनओसी की आवश्यकता होती है.उन्होंने राज्य चुनाव में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) की भारी जीत का जिक्र करते हुए लिखा, 'मैं दो महीने से एनओसी मांग रहा हूं, उन्हें चार बार ईमेल किया.

फिल सॉल्ट ने कहा, यहां सब कुछ मेरे अनुकूल है

एजेंसी। ब्रिजटाउन (बारबाडोस)

इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट के लिए टी20 विश्व कप के लिए कैरेबियाई सरजमीं पर आना एक तरह से घर वापसी है. सॉल्ट 10 साल की उम्र में बारबडोस आये थे और पांच साल तक यहां रहे थे. इंग्लैंड की टीम ने 2010 में जब टी20 विश्व कप जीता तो वह दर्शक दीर्घा में मौजूद थे. सॉल्ट इसके बाद इंग्लैंड वापस चले गए और एक उभरते हुए खिलाड़ी के रूप में उनके पास वेस्टइंडीज के लिए भी खेलने का विकल्प था.

सॉल्ट ने विश्व कप के लिए आईसीसी की आधिकारिक वेबसाइट से कहा, ''इस जगह की हर चीज मेरे लिए उपयुक्त है. काफी शांत, ढेर सारा क्रिकेट, ढेर सारा खेल और द्वीप पर मेरे बहुत सारे दोस्त हैं.' इंग्लैंड की टीम बुधवार को स्कॉटलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी और दाएं हाथ के इस आक्रामक बल्लेबाज ने वनडे में पहली बार खेलने के छह महीने बाद जनवरी 2022 में अपना टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था. उन्होंने कहा, 'मैंने यहां इंग्लैंड को खेलते देखा (2010 टी20 विश्व कप) है, उन्हें जीतते हुए देखा. मुझे लगता है कि स्टेडियम में दर्शकों के बीच मौजूद हर बच्चा एक दिन खुद मैदान में खेलने का सपना संजोता है, मैं भी ऐसा ही करना चाहता था लेकिन उस दिन शायद कोई विश्वास नहीं करता.

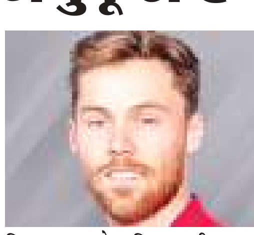

कोहली पारी की शुरुआत करें, तीसरे नंबर पर उतरे यशस्वी : गावस्कर

एजेंसी । न्यूयॉर्क

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि आयरलैंड के खिलाफ टी-20 विश्व कप के पहले मैच में विराट कोहली को कप्तान रोहित शर्मा के साथ भारत के लिये पारी का आगाज करना चाहिये जबकि यशस्वी जायसवाल को तीसरे नंबर पर उतरना चाहिये. टी-20 विश्व कप में कोहली के बल्लेबाजी क्रम को लेकर काफी चर्चा हो रही है . वह लंबे समय से सीमित ओवरों में तीसरे नंबर पर उतरते आये हैं. आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के लिये उन्होंने 15 मैचों में 741 रन बनाये.गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, 'रोहित शर्मा और विराट कोहली को पारी का आगाज करना चाहिये.

फ्रेंच ओपन

ओन्स जेब्युर को हराकर कोको गॉफ सेमीफाइनल में

पेरिस। एजेंसी

अमेरिका की कोको गॉफ ने पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए मंगलवार को यहां फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में ओन्स जेब्युर को हराकर लगातार तीसरी बार ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया. पिछले साल सितंबर में अमेरिकी ओपन के रूप में पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाली गॉफ ने आठवीं वरीय जेब्युर को 4-6, 6-2, 6-3 से हराया. अमेरिकी ओपन के बाद गॉफ ने जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के भी अंतिम चार में जगह बनाई थी. वर्ष 2022 की उप विजेता 20 साल की गॉफ को रोलां गैरो पर तीसरी वरीयता दी गई है.गॉफ ने मैच के बाद कहा, ''वह पूरे मैच में काफी अच्छा खेली. वह काफी विनर्स मेरे शरीर की तरफ लगा रही थी जिसकी मुझे आदत नहीं है. इसलिए आज मैंने अंत में आक्रामक होकर खेलने का प्रयास किया.'जेब्युर की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, ''वह कड़ी प्रतिद्वंद्वी है और टूर पर लोग उनसे काफी प्यार करते हैं. मैं आज दर्शकों से कह सकती हूं कि मुझे पता है कि आप लोग चाहते हैं कि वह जीते. ईमानदारी से कहूं तो जब भी वह मेरे खिलाफ नहीं खेल रही होती तो मैं भी उसकी हौसलाअफजाई करती हूं.'गॉफ की सेमीफाइनल में भिड़ंत शीर्ष वरीय ईगा स्वियातेक से हो सकती है जिन्होंने पेरिस में पिछले चार में से तीन खिताब जीत हैं. स्वियातेक ने ही 2022 में फाइनल में गॉफ को हराया था.

कोको गॉफ

जोरदार वापसी

- कोको ने तीसरी बार सेमीफाइनल में प्रवेश किया
- कोको ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के अंतिम चार में जगह बनाई थी

आईसीसी ट्रॉफी यहां हुए मैचों से स्पष्ट है कि आईपीएल की तरह यहां रनों का अंबार नहीं लगने जा रहा है

आयरलैंड के खिलाफ आज आगाज करेगी टीम इंडिया

न्यूयॉर्क। एजेंसी

आलोचक भले ही उन्हें 'नयी बोतल में पुरानी शराब' कहें लेकिन भारत के सुपरस्टार क्रिकेटर बरसों से आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पाने का मलाल मिटाने में कोई कोर कसर बाकी नहीं रखना चाहेंगे और अपने इस मिशन की शुरूआत टी-20 विश्व कप में बुधवार को आयरलैंड के खिलाफ पहले मैच के जरिये करेंगे. भारतीय टीम में अभी भी कई अनसुलझे सवाल हैं मसलन यहां 'ड्रॉप इन' पिच पर टीम संयोजन क्या रहेगा. अभी तक यहां हुए मैचों से स्पष्ट है कि इंडियन प्रीमियर लीग की तरह यहां रनों का अंबार नहीं लगने जा रहा है. उससे भी बड़ी चिंता खिताब के प्रबल दावेदार का ठप्पा है. रोहित शर्मा और विराट कोहली तो विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रह चुके हैं लेकिन जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा जैसे 'दशकों में एक ' माने जाने वाले क्रिकेटरों ने अभी तक खिताब नहीं जीता है और वे इसके लिये बेताब हैं.

भारतीय क्रिकेट टीम 1982 और 1986 की ब्राजील फुटबॉल टीम की तरह नहीं बनना चाहती जब सुकरात, जिको, कारेका, फाल्काओ और अलेमाओ जैसे सितारे भी फीफा विश्व कप नहीं जीत सके थे. पिछले साल वनडे विश्व कप फाइनल के बाद नरेंद्र मोदी स्टेडियम के ड्रेसिंग रूम की सीढियां चढते हुए कप्तान रोहित शर्मा अपने आंसू नहीं छिपा सके थे. वहीं 765 रन बनाने वाले कोहली के चेहरे पर भी उदासी साफ देखी जा सकती थी. कई बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मिलकर सर्वश्रेष्ठ टीम नहीं बना पाते. भारत ने अपने अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है लेकिन यह नहीं भूलना चाहिये कि यही टीम कई बार आखिरी दो तिलिस्म नहीं तोड़ सकी है.

टीमें

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज.

आयरलैंड: पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, रॉस अडायर, एंड्रयू बालबर्नी, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, ग्राहम ह्यूम, जोश लिटिल, बैरी मैकार्थी, नील रॉक, हैरी टेक्टर, लोरकन टकर, बेन व्हाइट, क्रेग यंग

हमें हर मैच के बाद यात्रा करनी पड़ रही है : वानिंदु हसरंगा

श्रीलंका के क्रिकेटर शेड्यूल पर नाराज

न्यूयॉर्क। एजेंसी

श्रीलंका के कप्तान वानिंदु हसरंगा और स्पिनर महीष तीक्षणा ने टी-20 विश्व कप में अपनी टीम के मैचों के शेड्यूल को लेकर नाराजगी जताते हुए कहा है कि यह काफी अनुचित है. लंबी यात्राओं के कारण उन्हें एक अभ्यास सत्र रद्द करना पड़ा है. श्रीलंका को ग्रुप डी के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका ने हराया. तीक्षणा ने अपनी टीम के मैचों के कार्यक्रम की आलोचना करते हुए कहा कि इसका टीम पर नकारात्मक असर पड़ा है. उन्होंने कहा कि यह गलत है. हमें हर मैच के बाद यात्रा करनी पड़ रही है क्योंकि हम चार अलग अलग मैदानों पर खेल रहे हैं. 'उन्होंने कहा ,'हमने फ्लोरिडा से , मियामी से उड़ान ली और आठ घंटे हवाई अड्डे पर इंतजार करना पड़ा . हमें रात आठ बजे निकलना था लेकिन सुबह पांच बजे उड़ान ली. यह अनुचित है लेकिन खेलते समय यह मायने नहीं रखता.' दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका को दो और मैच यहां खेलना है जबकि भारतीय टीम तीन मैच यहां खेलेगी. तीक्षणा ने कहा कि होटल से अभ्यास स्थल भी एक घंटे 40 मिनट का रास्ता है . दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच से पहले भी हमें सुबह पांच बजे उठना पड़ा.' तीक्षणा ने नाम नहीं लिया लेकिन कहा कि कुछ टीमों को एक ही स्थान पर खेलना है.

श्रीलंका के खिलाड़ी

बिहार में लोकसभा चुनाव-2024 की मतगणना में सभी 40 सीटों के परिणाम सामने आ गए हैं. इनमें राजग को 30 सीटें मिली हैं, जिनमें भाजपा को 12, जदयू को 12, लोजपा (आर) को 5 और हम पार्टी को 01 सीटें मिली हैं. 40 सीटों वाली लोकसभा क्षेत्र में एनडीए को 09 सीटों का नुकसान हुआ है. वहीं राजद को 4, कांग्रेस को 3, भाकपा-माले को 2 और पप्पू यादव निर्दलीय की जीत से इंडिया को 10 सीटें मिली हैं.

बिहार में नीतीश कुमार ने किया कमाल

सीट	जीते	दल	वोट	हारे	दल	वोट
बेगूसराय	गिरिराज सिंह	भाजपा	649331	अवधेश कुमार रॉय	सीपीआई	567851
अररिया	प्रदीप कुमार सिंह	भाजपा	600146	शहनवाज	राजद	580052
आरा	सुदामा प्रसाद	सीपीआई	529382	आरके सिंह	भाजपा	469574
औरंगाबाद	अभय कुमार सिन्हा	राजद	465567	सुशील कुमार सिंह	भाजपा	386456
बांका	गिरधारी यादव	जदयू	506678	जयप्रकाश नारायण यादव	राजद	402834
भागलपुर	अजय कुमार मंडल	जदयू	536031	अजीत कुमार शर्मा	कांग्रेस	431163
बक्सर	सुधाकर सिंह	राजद	423779	मिथिलेश तिवारी	भाजपा	394892
दरभंगा	गोपाल जी ठाकुर	भाजपा	566630	ललित कुमार यादव	राजद	388474
जहानाबाद	सुरेंद्र प्रसाद यादव	राजद	440352	चंद्रेश्वर प्रसाद	जदयू	299044
हाजीपुर	चिराग पासवान	लोजपा (आर)	615718	शिवचंद्र राम	राजद	445613
गोपालगंज	डॉ.आलोक कुमार सुमन	जदयू	511866	प्रेम नाथ चंचल	वीआईपी	384686
गया	जीतन राम मांझी	हम	494960	कुमार सर्वजीत	राजद	393148
जमुई	अरुण भारती	लोजपा (आर)	509046	अर्चना कुमारी	राजद	396564
झंझारपुर	रामप्रीत मंडल	जदयू	533032	सुमन कुमार महासेठ	वीआईपी	348863
काराकाट	राजाराम सिंह	सीपीआई-एमएल	380581	पवन सिंह	निर्दलीय	274723
कटिहार	तारिक अनवर	कांग्रेस	567092	दुलाल चंद्र गोस्वामी	जदयू	517229
वाल्मिकी नगर	सुनील कुमार	जदयू	523422	दीपक यादव	राजद	424747
वैसाली	वीणा देवी	लोजपा (आर)	567043	विजय कुमार शुक्ला	राजद	477409
उजियारपुर	नित्यानंद राय	भाजपा	515159	आलोक कुमार मेहता	राजद	454870
खगड़िया	राजेश वर्मा	लोजपा (आर)	538657	संजय कुमार	सीपीआई-एम	377526
महाराजगंज	जनार्दन सिंह सिग्रीवाल	भाजपा	529533	आकाश कुमार सिंह	कांग्रेस	426882
मधुबनी	अशोक कुमार यादव	भाजपा	553428	मो. अली अशरफ हातमी	राजद	401483
मधेपुरा	दिनेश चंद्र यादव	जदयू	640649	डीए कुमार चंद्रदीप	राजद	466115
किशनगंज	मोहम्मद जावेद	कांग्रेस	402850	मुजाहिद आलम	जदयू	343158
मुंगेर	राजीव रंजन सिंह	जदयू	547814	कुमारी अनिता	राजद	467412
मुजफ्फरपुर	राजभूषण चौधरी	भाजपा	618569	अजय निषाद	कांग्रेस	383759
नालंदा	कौशलेंद्र कुमार	जदयू	558489	डॉ. संदीप सौरव	सीपीआई-एमएल	388946
नवादा	विवेक ठाकुर	भाजपा	410608	श्रवण कुमार	राजद	342938
पूर्णिया	राजेश रंजन	निर्दलीय	488736	संतोष कुमार कुशवाहा	जदयू	458575
पटना साहिब	रविशंकर प्रसाद	भाजपा	588270	अंशुल अभिजीत	कांग्रेस	434424
पाटलिपुत्र	मीसा भारती	राजद	588963	रामकृपाल यादव	भाजपा	509621
पश्चिमी चंपारण	डॉ संजय जायसवाल	भाजपा	580421	मदन मोहन तिवारी	कांग्रेस	443853
पूर्वी चंपारण	राधा मोहन सिंह	भाजपा	542193	डॉ राजेश कुमार	वीआईपी	453906
समस्तीपुर	शांभवी	लोजपा (आर)	579786	सन्नी हजारी	कांग्रेस	392535
सारण	राजीव प्रताप रुडी	भाजपा	471752	रोहिणी आचार्य	राजद	458091
सासाराम	मनोज कुमार	कांग्रेस	513004	शिवेश कुमार	भाजपा	493847
सुपौल	दिलेश्वर कामत	जदयू	595038	चंद्रहास चौपाल	राजद	425235
सिवान	विजय लक्ष्मी देवी	जदयू	386508	हीना शहाब	निर्दलीय	293651
सीतामढ़ी	दिनेश चंद्र ठाकुर	जदयू	515719	अर्जुन राय	राजद	464363
शिवहर	लवली आनंद	जदयू	476612	रीतू जायसवाल	राजद	447469

बोले दिग्गज

आज जो चुनाव जीत हैं उनको बधाई! आशा है जैसे हमने जनता की समस्या की सुनी है उसी तरह से वह भी जनता के लिए काम करेंगे. मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त करती हूं.

स्मृति ईरानी, भाजपा प्रत्याशी, अमेठी

तीन घंटे तक प्रधानमंत्री मोदी पीछे चल रहे थे. 1.5 लाख वोटों से जीतने में पसीने छूट गए. रायबरेली से राहुल गांधी 4 लाख वोटों से जीत रहे हैं. ये साबित करता है कि राहुल गांधी की हिन्दुस्तान में लोकप्रियता मोदी से बहुत ज्यादा है.

अजय राय, कांग्रेस प्रत्याशी, वाराणसी

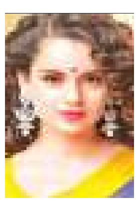

इस जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जाता है. लोगों ने पारिवारिक विरासत के खिलाफ और आम जनता के पक्ष में वोट दिया है. उन्होंने कहा कि वह मंडी के लोगों के लिए सच्चे दिल से काम करेंगी.

कंगना रनौत, भाजपा प्रत्याशी, मंडी

अमेठी से कांग्रेस के विजयी प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा

कांग्रेस प्रत्याशी के भाजपा में शामिल होने से बना अनोखा कीर्तिमान

इंदौर सीट पर 'नोटा' ने 2.19 लाख वोटों के साथ बनाया नया रिकॉर्ड

एजेंसी। इंदौर

मध्यप्रदेश के इंदौर में 'नोटा' ने बिहार के गोपालगंज का पिछला कीर्तिमान ध्वस्त करते हुए 2,18,674 वोट हासिल किए और 14 में से 13 उम्मीदवारों को पटखनी देकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम किया. इंदौर, मतदाताओं की तादाद के लिहाज से सूबे में सबसे बड़ा लोकसभा क्षेत्र है जहां मुख्य चुनावी भिड़ंत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के बीच होती रही है, लेकिन इस बार सियासी समीकरण एकदम बदले हुए थे. कांग्रेस के घोषित प्रत्याशी अक्षय कांति बम पार्टी को तगड़ा झटका देते हुए नामांकन वापसी की आखिरी तारीख 29 अप्रैल को अपना पर्चा वापस लेकर तुरंत बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए थे. नतीजतन इस सीट के 72 साल के इतिहास में कांग्रेस पहली बार चुनावी दौड़ से बाहर हो गई.

दिल्ली की चांदनी चौक सीट से भाजपा के विजयी प्रत्याशी प्रवीण खंडेलवाल.

नीतीश व नायडू राजग का साथ छोड़ सकते हैं

पटना। राजद ने मंगलवार को दावा किया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और तेलुगु देशम पार्टी के अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू 'प्रतिशोध की राजनीति को नापसंद करते हैं' जो उन्हें भाजपा के नेतृत्व वाले राजग से दूर सकती है. राजद के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य मनोज कुमार झा ने जद (यू) प्रमुख के इस बयान को याद किया कि 'जो लोग 2014 में सत्ता में आए उन्हें 2024 में सत्ता से बाहर कर दिया जाएगा.' कुमार ने राजग में शामिल होने के पूर्व विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी. झा ने कहा, 'हम पहले भी नीतीश और चंद्रबाबू नायडू दोनों के साथ गठबंधन में रहे हैं. लगता है नरेंद्र मोदी की विदाई तय है. उम्मीद है कि दोनों नेता केंद्र में सत्ता परिवर्तन में अहम भूमिका निभाएंगे.'

लोस चुनाव के नतीजे भाजपा के लिये सबक

तिरुवनंतपुरम। तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट से लगातार चौथी बार जीत हासिल करने वाले कांग्रेस नेता शशि थरूर ने मंगलवार को कहा कि चुनाव परिणाम भाजपा के लिए एक सबक है कि जब वह सांप्रदायिकता के बजाय विकास जैसे अन्य रास्तों पर चलती है तो उसका बेहतर प्रदर्शन होता है. थरूर ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के राजीव चंद्रशेखर को 16, 077 मतों से शिकस्त दी. थरूर ने कहा कि चुनाव परिणाम मतदाताओं द्वारा भाजपा को दिया गया एक गंभीर संदेश है कि उनकी शासन प्रणाली में व्यापक सुधार की आवश्यकता है. उन्होंने 'पीटीआई वीडियो' को बताया, ''मुझे हमेशा लगता था कि भाजपा केरल में हद पार कर रही है, क्योंकि उनके संदेशों में सांप्रदायिकता समाहित है.''

दिग्गज

जीते | हारे

सीट : कृष्णा नगर

महुआ मोइत्रा
टीएमसी

अमृता रॉय
भाजपा

जीते | हारे

सीट : खीरी

उत्कर्ष कुमार मधुर
समाजवादी पार्टी

अजय कुमार टेनी
भाजपा

जीते | हारे

सीट : मैनपुरी

डिंपल यादव
समाजवादी पार्टी

जयवीर सिंह
भाजपा

जीते | हारे

सीट : उत्तर पूर्व दिल्ली

मनोज तिवारी
भाजपा

कन्हैया कुमार
कांग्रेस

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)